जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, गुरुवार 31 अक्टूबर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

सिर्फ 4 दिन में

15 लाख

रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

दिवाली बाद करोड़ों में मिलेगी कोठी !

गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं।

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	63.45 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	70.50 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	77.55 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	84.60 LACS	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	98.70 LACS	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.41 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 93 प्रभात अजमेर, गुरुवार 31 अक्टूबर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

कमला हैरिस की लीड कम होने से बेचैन हैं डैमोक्रैटिक पार्टी के रणनीतिकार

डैमोक्रैटिक पार्टी के नेताओं ने नई रणनीति पर विचार मंथन शुरू किया

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डॉनल्ड ट्रम्प पर कमला हैरिस की बढ़त कम हो गई है। हाल ही में रॉयटर्स/इप्सॉस के पोल में पता चला है कि उनकी बढ़त मात्र एक प्रतिशत ही रह गई है। तीन दिन चला यह पोल रविवार को खत्म हुआ जिसमें दोनों नेता लगभग बराबरी पर रहे। ज्ञातव्य है कि 5 नवम्बर को यहां चुनाव होना है। ट्रम्प पर कमला हैरिस की बढ़त कम होने से जाहिर है कि डैमोक्रैटिक पार्टी में बेचैनी बढ़ गई है। जीत की संभावना बढ़ाने के लिए पार्टी नेताओं ने कई नीतिगत कदम उठाए हैं जैसे जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाना ताकि उनके समर्थक वोट देने आगे आएं। इसमें फोन पर प्रचार, घर-घर जाना और जनाधार मजबूत करने के लिए इवैंट्स कराना।

प्रमुख मतदाताओं को चिंताओं के समाधान के लिए संदेश दिया जाए, खासकर उन मसलों पर जिन पर ट्रम्प को बढ़त प्राप्त है जैसे अर्थव्यवस्था और इम्मिग्रेशन आदि। जिन मसलों पर हैरिस मजबूत हैं उन्हें उभारना होगा ट्रम्प की

- **नई रणनीति के तहत जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाना, समर्थकों को वोट देने के लिए प्रेरित करना, फोन पर और घर-घर जाकर प्रचार करना शामिल है।**
- **काफी हद तक दारोमदार उन वोटर्स पर है जिन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। हैरिस की पार्टी के नेता ऐसी नीति पर काम कर रहे हैं, ताकि, इन वोटर्स को अपनी तरफ किया जा सके।**
- **ट्रम्प की निरन्तर बढ़ती लीड का कारण यह है कि जनता अर्थव्यवस्था, रोजगार व इमिग्रेशन पर ट्रम्प की नीति को बेहतर मान रही है। हालांकि हैरिस कैपिटल रॉयट का मुद्दा उठा कर ट्रम्प को लोकतंत्र विरोधी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं।**
- **विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ राज्यों में ट्रम्प व हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है और ये राज्य ही विजेता का निर्धारण करेंगे।**

नीतियों से उनकी तुलना करनी होगी ताकि उन वोटर्स को अपनी तरफ किया जा सके जिन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं किया है।

अब फोकस उन राज्यों पर हैं जहां असली मुकाबला है यहां प्रचार तेज करना होगा। संसाधनों को सक्रिय कर इन क्षेत्रों में हाइप्रोफाइल नेताओं को तैनात करना होगा जिससे डैमोक्रेटिक पार्टी का जनाधार बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हैरिस ने युवा, महिलाओं व अल्पसंख्यक समुदायों तक पहुंच बनाई है जो उनकी सफलता के लिए जरुरी है, इन समूहों से सम्बंधित कदम उठाने से मतदाताओं की संख्या बढ़ सकती है। आइडिया है कि वोटर्स के साथ बात कर उनकी समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए।

स्थानीय एडवोकेसी ग्रुप्स के साथ मिलकर सम्पर्क का दायरा बढ़ाने और समुदायों का भरोसा जीतना प्रमुख रणनीति होगा। कड़ी टक्कर को देखते हुए प्रत्याशियों की अपने समर्थकों को वोट में बदलने की क्षमता ही नतीजे निर्धारित करेगी। वर्ष 2020 के चुनाव से इस सदी का सर्वाधिक मतदान हुआ था। अमेरिका के दो तिहाई वयस्कों ने वोट डाला था।

वर्तमान चुनाव में 89 प्रतिशत डैमोक्रेट्स है और 93 प्रतिशत रजिस्टर्ड रिपब्लिकन्स ने मतदान करने का यकीन दिलाया है इसका अर्थ है कि वर्ष 2020 की तुलना में इस बार ज्यादा उत्साह है।

नवीन सर्वे में हैरिस ने ट्रम्प पर एक पॉइन्ट की बढ़त बनाई है। हालांकि जबसे हैरिस चुनावों में उतरी हैं वे लगातार ट्रम्प पर बढ़त बनाए हुए हैं। अक्टूबर में हुए पोल में उन्हें 2 पॉइन्ट की बढ़त मिली थी। पर इससे एक बात साफ उभरी थी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

25.75 लाख रुपए का मोटर दुर्घटना क्लेम खारिज

जयपुर, 30 अक्टूबर। मोटर दुर्घटना मामलों की विशेष अदालत, महानगर प्रथम ने 25.75 लाख रुपए का क्लेम खारिज करते हुए कहा कि मामले में यह साबित नहीं है कि बीमित वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाकर दुर्घटना की है। अदालत ने यह आदेश विष्णु कुमार की याचिका पर

- **अदालत ने कहा कि यह साबित नहीं हुआ कि बीमित वाहन के चालक ने लापरवाही से वाहन चला कर दुर्घटना की।**

सुनवाई करते हुए दिए।

मामले से जुड़े अधिवक्ता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि याचिकाकर्ता ने नेशनल इंश्योरेंस बीमा कंपनी के खिलाफ यह याचिका पेश की है। जिसमें कहा गया कि 21 मई, 2017 को वह प्रकाश चन्द्र के साथ मोटरसाइकिल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवकाश की सूचना

दीपावली के उपलक्ष्य में राष्ट्रदूत कार्यालय में दिनांक 31 अक्टूबर व 1 नवम्बर 2024 को अवकाश रहेगा। अगला अंक 3 नवम्बर को प्रकाशित होगा। - प्रबंध सम्पादक

'कैनडा में अलगाववादी सिख हरदीप सिंह की हत्या के लिए अमित शाह ने स्वीकृति दी थी'

-श्री नन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारत-कैनडा विवाद और भी बढ़ गया है। ओटावा द्वारा गृहमंत्री अमित शाह पर ऑन-रिकॉर्ड आरोप लगाने तक की नौबत आ गई है। ओटावा ने आरोप लगाया है कि अमित शाह ने कैनडा सिक्ख अलगाववादियों के खिलाफ निगरानी तथा हिंसा के अधिकार दे दिये हैं। कैनडा के उप विदेश मंत्री डेविड मैरिसन ने वॉशिंगटन पोस्ट के उस लेख के आधार पर, मंगलवार को इस बात की पुष्टि की, जिसने इस माह के प्रारम्भ में सबसे पहले अमित शाह के खिलाफ आरोपों की रिपोर्टिंग की थी। भारत सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया है। एक भारतीय अधिकारी ने कहा, ''सिर्फ इसलिये, कि कैनडा में इस समय एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो अपने वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिये किसी भी सीमा तक गिर सकते हैं, इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि भारत के गृहमंत्री इस बयान को तवज्जोह देंगे, जिसे तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाना चाहिये, क्योंकि यह बयान तिरस्कार रख घृणा का ही हकदार हैं।''

इसी बीच, कैनडा ने भारत से यह कहा भी है कि वह जेल में बन्द गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई को कैनडा में और कारनामे करने से रोके। प्रसंगवश बता

- **यह खबर वॉशिंगटन पोस्ट में एक कैनेडियन अधिकारी के हवाले से छपी थी। कैनडा के डिप्टी विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने स्वीकार किया, कि वॉशिंगटन पोस्ट की खबर के वो ही सूत्र हैं।**
- **भारत सरकार ने खबर की खिल्ली उड़ाते हुए कहा, ''क्योंकि कैनडा के प्रधानमंत्री अपने वोट बैंक को लुभाने के लिए किसी भी हद तक गिरने को तैयार हैं, और गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं, भारत सरकार उनके हर वक्तव्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने की जरूरत नहीं समझती।**
- **कैनडा ने भारत से यह भी कहा है कि वे गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई पर नियंत्रण रखें, जिससे वह कैनडा में अपनी हिंसात्मक गतिविधियों को अंजाम नहीं दे सके।**
- **अभी हाल ही में पंजाब पुलिस ने, एक उच्च पुलिस अधिकारी के ऑफिस को एक टी.वी. स्टूडियो में परिवर्तित करके लॉरेंस विश्नोई को अपना इन्टरव्यू देने की सुविधा दी थी।**

दें कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने आज पंजाब पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाते हुये कहा कि पुलिस ने इस गैंगस्टर को, अपने हाल ही के टेलीविजन इन्टरव्यू के लिये स्टूडियों के रूप में, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के दफ्तर को काम में लेने दिया। न्यायमूर्ति अनुपिन्दर सिंह तथा लपिता बनर्जी की बैंच ने कहा, ''पुलिस अधिकारियों इस क्रिमिनल को इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस काम में लेने की अनुमति दे दी तथा इन्टरव्यू के आयोजन के लिये उसे स्टूडियो जैसी सुविधा उपलब्ध कराई। ऐसे काम से अपराध का महिमा मंडन होता है तथा ऐसी सम्भावना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पराली जलाने से ज्यादा प्रदूषण तो वाहनों से हो रहा है'

कांग्रेस ने हैल्थ एण्ड क्लाइमेट चेंज पर लैन्सैट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि, दॅ लैन्सैट काउन्टडाउन ऑन हैल्थ एण्ड क्लाइमेट चेंज की नई रिपोर्ट ने भारत में वायु प्रदूषण के बारे में चिंताजनक निष्कर्ष दिए हैं।

- सन् 2021 में वायु प्रदूषण के कारण भारत में कुल 16 लाख मौतें हुईं।
- इनमें से 38 प्रतिशत मौतों में कोयला तथा लिक्विड गैस जैसे फॉसिल फ्यूल (जीवाश्म ईंधन) की भूमिका थी।
- सन् 2022 में भारत ने दुनिया के उपभोग आधारित पी.एम. 2.5 उत्सर्जन में 15.8 प्रतिशत और दुनिया के कुल वायु प्रदूषण में 16.9 प्रतिशत का योगदान दिया। दुनिया के उत्पादन आधारित पी.एम. 2.5 (जहरीली हवा में मौजूद बारीक कण) उत्सर्जन में यह सबसे बड़ा योगदान है। ये प्रदूषण कण 2.5 माक्रोमीटर से भी कम होते हैं और

- **कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, पराली जलाने को प्रदूषण का बड़ा कारण बताया जाता है पर लैन्सैट रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2021 से 2024 के बीच पराली जलाने के मामले 51 प्रतिशत कम हो गए हैं और दिल्ली का प्रदूषण बढ़ने में पराली जलाने का योगदान मात्र 0.92 प्रतिशत ही है।**
- **जयराम रमेश ने कहा, वायु प्रदूषण भारत में जनस्वास्थ्य की एक प्रमुख चुनौती है और इससे निपटने के लिए हमें भारी बदलाव करने होगें। अक्षय ऊर्जा, इलैक्ट्रिक वाहन और सार्वजनिक यातायात को प्राथमिकता देनी होगी।**

सीधे फेफ ड़ों में प्रवेश कर सकते है।

जयराम ने कहा कि दिल्ली में पिछले कुछ हफ्तों ने हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का उदाहरण पेश किया है।

- 16 अक्टूबर तथा 22 अक्टूबर 2024 के बीच, पी.एम. 2.5 का औसत 104 यूजी/एम3 से बढ़कर चिंताजनक 168 यूजी/एम3 तक पहुँच गया।
- तथापि पराली जलाना, जिस पर लम्बे समय से दिल्ली के वायु-प्रदूषण को लेकर दोषारोपण होता रहा है, नासा के ''विज़िबल इन्फ्रारैड इमेजिंग रेडियोमीटर स्वीट (वी.आई.आई.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लद्दाख में सेना हटने की प्रक्रिया पूरी हुई

नई दिल्ली/लद्दाख, 30 अक्टूबर। पूर्वी लद्दाख सीमा पर देपसांग और डेमचोक पॉइंट से डिसएंगेजमैंट (सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया) पूरा हो चुका है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, दोनों पॉइंट से भारत-चीन की सेनाओं की टुकड़ी की पूरी तरह से वापसी हो चुकी है। गुरुवार को दीपावली के दिन सैनिकों में मिठाइयां बांटी जाएंगी। इसके बाद जल्द ही इन दोनों पॉइंट पर भारतीय सेना पेट्रोलिंग शुरू करेगी। इस दौरान लोकल कमांडर स्तर की बातचीत चलती रहेगी।

- **भारत व चीन की सेनायें अप्रेल 2020 से पहले की स्थिति में लौटीं।**

इससे पहले एक बयान में रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि भारत और चीन 28-29 अक्टूबर तक एल.ए.सी. पर सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे।

देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी 18 अक्टूबर को सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजनैतिक अनिश्चितता से जूझ रहा है जापान

विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए यह कदापि अच्छी स्थिति नहीं है

-अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। गत रविवार जापान के चुनाव नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अच्छा अर्थशास्त्र अक्सर राजनैतिक लाभ नहीं देता है। पर इसका अर्थ यह है नहीं है कि खराब अर्थशास्त्र राजनैतिक रूप से फायदेमंद होता है।

इस सोमवार चुनाव नतीजे स्पष्ट हो गए। यह साफ था कि प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा संकट में थे। उन्होंने मध्यावधि चुनाव घोषित कर एक दांव खेला उन्हें उम्मीद थी कि इससे उन्हें ज्यादा ठोस बहुमत मिलेगा।

लेकिन नतीजे उलट आए लम्बे समय तक शासन करने वाली लिबरल डैमोक्रेटिक पार्टी को बहुत अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। बहुमत के लिए 233 सीटों की जरूरत थी पर इसे 191 ही मिली जबकि पहले इसके पास 247 सीटें थी। अब छोटे सहयोगी कोमेईतो की बदौलत गठबंधन के पास 247 सीटें हो पाईं हैं।

एल.डी.पी. के सामने कई मजबूरियां हैं इसे बहुमत जुटाने के लिए

- **प्रधानमंत्री शिगेरु इशीबा ने मध्यावधि चुनाव का जो दांव खेला उसमें उन्हें विफलता मिली। लम्बे समय से सत्तारुढ़ पार्टी, लिबरल डैमाक्रैटिक पार्टी को बहुमत नहीं मिला। हालांकि, शिगेरु ने छोटे दलों से गठबंधन कर बहुमत जुटा लिया है।**
- **बहुमत भले ही मिल गया हो पर जमीनी स्तर पर मुश्किलें बढ़ गई हैं।**
- **लम्बे समय से ''डिफ्लेशन'' (मांग और कीमतों में कमी) से जूझ रहे जापान की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट बहुत कम हो गई है। शिगेरु ने ''डिफ्लेशन'' को दूर करने का प्रयास किया, जिससे कीमतें बढ़ीं और अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट भी बढ़ी।**
- **लेकिन जापान की जनता को मूल्य वृद्धि रास नहीं आई उन्हें ''डिफ्लेशन'' की आदत हो गई है। महंगाई बढ़ने पर जापान की जनता की नाराज़गी चुनाव नतीजों में दिखी है।**

कई छोटे दलों का समर्थन लेना पड़ा। नम्बर भले ही जुट गया हो पर जमीनी स्तर पर स्थिति ज्यादा अनुकूल नहीं है। जापान कई वर्षों से अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार से जूझ रहा है। इसका पहला लक्षण है डिफ्लेशन।

डिफ्लेशन एक ऐसी स्थिति है जिससे निपटना इनफ्लेशन की तुलना में कठिन है। जब एक लम्बे समय तक कीमतें गिरती रहती हैं तो ऐसी मानसिकता उत्पन्न होती है जो अर्थव्यवस्था की ग्रोथ के खिलाफ होती है।

तब उपभोक्ता वस्तुओं व सेवाओं पर धन खर्च नहीं करते हैं। वे यह सोचते हैं कि निकट भविष्य में यह असफल हो जाएगी। इस प्रकार खर्च कम हो जाता है।

तीन दशकों से जापान इसी स्थिति का सामना कर रहा है और अर्थव्यवस्था अपनी क्षमता तक ग्रोथ नहीं कर पाई है। जापान के इकोनॉमिक मैनेजर्स ने हर तरीका आजमा लिया है। बैंक ऑफ जापान ने ऐतिहासिक रूप से भारी कमी भी की थी।

यही नहीं सैंट्रल बैंक ने नैगटिव इंट्रैस्ट रेट्स भी शुरू की थी जो कि सैंट्रल बैंकिंग के इतिहास में अप्रत्याशित था। इसका अर्थ था कि अगर उसने अपनी बचत बैंक में जमा की तो उसमें कमी होगी, बैंक के पैसा रखने पर ब्याज देने की बजाय वे थोड़ी ही राशि वसूलते थे।

स्थिति हाल ही में बदली थी। बैंक ऑफ जापान ने दो प्रतिशत का इनफ्लेशन टारगैट रखा था जो लगभग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शौचालय में यात्री पाये गये तो ट्रेन नहीं चलेगी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारतीय रेलवे ने इस वर्ष दीपावली एवं छठ पर्व पर देश के पूर्वी भाग की ओर यात्रा करने वाले साधारण श्रेणी के यात्रियों को गरिमापूर्ण मानवीय दशा में यात्रा सुलभ कराने के लिए पहली बार अनेक पहलें की हैं। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, साधारण श्रेणी के यात्रियों के लिए इस साल 7296 विशेष

- **भारतीय रेल्वे ने यात्रियों की गरिमा व सुरक्षा के लिये नये इन्तजाम किये।**

ट्रेनें चलाने की योजना बनायी गयी है। ये गाड़ियां एक अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच मांग को देखते हुए चलायी जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, इस साल के त्योहारी सीज़न में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं झारखंड की ओर लगभग एक करोड़ लोग रोज़ाना यात्रा कर रहे हैं, जिनमें से 22 से 23 लाख आरक्षित श्रेणियों में यात्रा कर रहे हैं, जबकि शेष अनारक्षित साधारण श्रेणी के गरीब यात्री हैं।

कैनडा ने अचानक इतना भारत विरोधी रवैया क्यों अपनाया है?

क्या कैनडा, अमेरिका के ''प्रॉक्सी'' के रूप में काम कर रहा है

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। न्यूज़ एजेन्सी ब्लूमबर्ग द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार कैनडा के एक अधिकारी ने आरोप लगाया है कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने, एक सिख अलगाववादी के लिए ''मर्डर प्लॉट'' को ''अधिकृत'' किया था।

एजेन्सी ने अपनी रिपोर्ट में कैनडा के एक अधिकारी के हवाले से लिखा है कि अमित शाह ने हमले के लिए हरी झंडी दी। इसके खुलासे के बाद यह विवाद एक नए ही स्तर पर पहुंच गया है।

इससे पहले, कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कैनडा के बड़े सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारतीय अधिकारी लिप्त थे। इस आरोप से दोनों देशों के बीच बहुत बड़ा विवाद पैदा हो गया था। इसके बाद, कैनडा के प्रधानमंत्री अपने आरोपों को प्रमाणित करने वाले ठोस सबूत नहीं दे पाये थे।

अब, कैनडा के अधिकारी द्वारा लगाये गये ताजा आरोप के दावे दोनों देशों के बीच के उस

- **अमेरिका, भारत की पुतिन से दोस्ती व रूस से नजदीकियां बढ़ने से ज्यादा खुश नहीं है, और भारत को रूस से दूर करने के लिये भारत को कई सुविधाएं व रियायतें देने का लालच दिया है। पर भारत ने बदस्तूर रूस से मित्रता व नजदीकी लगातार बढ़ाई ही है, कम नहीं की, जैसा कि रूस में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन में देखा गया।**
- **दूसरी ओर भारत व चीन ने भी सीमा पर तनाव कम करने के लिए एग्रीमैंट (समझौता) भी किया है।**
- **इस तरह भारत का रूस-चीन धुरि के करीब जाना भी अमेरिका को रास नहीं आ रहा।**
- **अमेरिका भारत को अपनी ''नाखुशी'' जताने के लिए कैनडा का उपयोग कर रहा है, और इसीलिए कैनडा ने पहले निज्जर की हत्या में भारत के गृहमंत्री को घसीटा, और फिर कैनडा की संसद के ग्राउण्ड्स पर अचानक दीवाली का प्रोग्राम रद्द करने का बेवजह निर्णय लिया है। कैनडा, अमेरिका का प्रॉक्सी बनकर भारत को तंग व असहज करने का प्रयास कर रहा है।**

विवाद को आग में फिर से घी का काम कर रहे हैं। यह समाचार अन्य किसी नये संगठन द्वारा नहीं लाया गया है।

इसके बाद की रिपोर्टों के अनुसार, कैनडा ने यह जानकारी अमेरिका को दी थी तथा अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया था कि वह संबंधित जांच में कैनडा के साथ सहयोग करे। भारत ने जोरदार तरीके से इन आरोपों का खंडन किया था तथा कैनडा सरकार से ठोस सबूत देने के लिए कह दिया था।

अब यह विवाद एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है क्योंकि अब लगाये गये आरोपों में केन्द्रीय गृह मंत्री की लिप्तता बताई गई है। एक बार फिर, आरोपों को प्रमाणित करने वाले कोई सबूत प्रस्तुत नहीं किये गये हैं।

इस बीच, एक अन्य विवाद और पैदा हो गया। दरअसल, कैनेडियन संसद में विपक्ष के नेता पियरे पोइलीवर ने ''दिवाली'' त्यौहार रद्द कर दिया है। त्यौहार के आयोजकों को इसे रद्द करने के कोई कारण नहीं बताये गये हैं। उन्हें इस त्यौहार को रद्द करने की सिर्फ सूचना दी गई है।

भारतीय समुदाय ने अचानक किए इस निरस्तीकरण के बारे अधिकारियों को कड़ा प्रतिवेदन दिया गया है तथा मांग की गई है कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इसके लिए माफी मांगे। ऐसा प्रतीत हो रहा है, मानो कैनडा के राजनैतिक वर्ग जान-बूझकर भारत विरोधी वक्तव्यों और कार्यवाहियों से भड़का रहे हैं।

हालांकि यह अभी पूरी तरह निश्चित एवं स्पष्ट नहीं है कि कैनडा ने अचानक यह भारत-विरोधी रुख आखिर क्यों इख्तियार किया है। चूंकि प्राय: यह माना जाता है कि कैनडा, अमेरिका के इशारे पर काम करता है, अत: हो सकता है कि कैनडा के ये कदम अमेरिका के संकेत पर तथा अमेरिकन प्रशासन के कुछ वर्गों के आदेश पर किए जा रहे हों। दरअसल, अमेरिका इस बात से बहुत परेशान है कि भारत, रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन के साथ बड़े मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हुए है। सर्वविदित है कि पुतिन के नेतृत्व में रूस पर पश्चिमी गठबंधन के पहले दुश्मन का ठप्पा लगा हुआ है।

अमेरिका ने भारत को रूसी खेमे से दूर करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना ने ओ.बी. सी. जातीय जनगणना की मांग की

तेलंगाना, 30 अक्टूबर। तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने एक मीटिंग में एक प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार से मांग की कि अगले साल प्रस्तावित जनगणना में ओ.बी.सी. जातीय जनगणना को शामिल किया जाए।

- **राज्य सरकार ने अगले साल प्रस्तावित जनगणना में ओ.बी.सी. जातीय जनगणना शामिल करने की केन्द्र सरकार से मांग की है।**

बुधवार को कांग्रेस की हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और अन्य नेता मौजूद रहे। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टी.पी.सी.सी.) के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से किए गए व्यापक सामाजिक, शैक्षिणक, आर्थिक, रोजगार और राजनीतिक एवं जातीय सर्वेक्षण पर चर्चा करने के लिए बैठक बुलाई गई थी।

दीपोत्सव का पर्व आज दीपो और रंगबिरंगी रोशनी से जगमग होगा घर आंगन

अजमेर, (निसं)। रोशनी और उमंग दीपों का पर्व दीपावली गुरुवार को धूमधाम मनाया जाएगा। घर-आंगन झालरों से सज गये हैं। बाजार भी दुल्हन की तरह सजे नजर आ रहे हैं। अब लक्ष्मी पूजन की तैयारी है। घरों में शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी का पूजन होगा।

जिलेभर में दीप पर्व हर्षोल्लास के साथ पर्व मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां घरों में शुरू हो गईं। साथ ही बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। बुधवार सुबह से लेकर देर शाम तक बाजारों में खरीदारों की भीड़ जुटी रही। छोटी दिवाली की शाम को घरों को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया। अब गुरुवार को दीपोत्सव के शुभ मुहूर्त पर गणेश लक्ष्मी और कुबेर की पूजा होगी। खुशियों की रोशनी से हर घर और आंगन जगमगाएगा। दीपावली के दिन लक्ष्मी-गणेश की पूजा होती है। हर घर-परिवार, दुकान और प्रतिष्ठान में लक्ष्मी जी के पूजन से उनका स्वागत किया जाता है। दीपावली पर दीप जलाने के बाद महिलाओं ने पूजा कर आरती की, लोग एक-दूसरे को संदेश भेजकर बधाई देते रहे।

ग्रामीणों ने की दीपावली की तैयारी:

दीपावली पूर्व संध्या पर ग्रामीण क्षेत्र में लोग कच्चे घरों को संवारने में जुटे रहें। अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में गोबर, पीली मिट्टी, गेरू लीप कर घरों की सार संभाल की जाती है। कच्चे घरों में मिट्टी लगाकर गोबर का लेप किया जाता है। समय के साथ बदलते परिवेश में इसका मिलना थोड़ा मुश्किल हो गया है। ग्रामीण परिवेश में भारतीय संस्कृति को परम्परा के आधार पर दीपावली पर्व के दौरान घर को सजाने के लिए घर के आंगन में महिलाएं सफेदी से घरों के आंगन में चाक, फूल पत्ती व कलश आदि बनाकर कई तरह की आकर्षक मांडना से सजाया गया।

रोशनी और उमंग दीपों का पर्व दीपावली गुरुवार को धूमधाम मनाया जाएगा।

दीपावली लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्तः

■ विधानसभा अध्यक्ष ने रखी कोटड़ा सैटेलाइट अस्पताल की नींव

वैदिक पंचांग के मुताबिक इस वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 तारीख को दोपहर 3 बजकर 22 मिनट से शुरू हो रही है और यह तिथि 01 नवंबर को शाम 5 बजकर 23 मिनट पर समाप्त हो जाएगी।

माता लक्ष्मी अमावस्या तिथि में प्रदोष काल और निशिथ काल में भ्रमण करती हैं इसके कारण माता की पूजा प्रदोष काल और निशीथ काल में करने का विधान होता है।

पंचांग के मुताबिक 31 अक्टूबर गुरुवार के दिन पूरी रात्रि अमावस्या तिथि के साथ प्रदोष काल और निशीथ मूहूर्त काल भी है। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार 31 अक्टूबर के दिन दीवाली का पर्व और लक्ष्मी पूजन करना सबसे अधिक फलदाई होगा, क्योंकि दिवाली का पर्व तभी मनाना उत्तम रहता है जब प्रदोष से लेकर निशिथा काल तक अमावस्या तिथि रहे।

भीलवाड़ा के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

भीलवाड़ा। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ( ) ने सीए इंटरमीडिएट और सीए फाउंडेशन परीक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए हैं। इस अवसर पर भीलवाड़ा शाखा के अध्यक्ष सीए सोनेश काबरा ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं एवं विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष जताते हुए इसे उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प का नतीजा बताया एवं उनकी मेहनत और समर्पण को सराहा गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। एवं बताया कि इस वर्ष सीए इंटरमीडिएट का ऑल इंडिया परिणाम से ग्रुप 1 में 15.17 , ग्रुप 2 में 15.99 , और दोनों ग्रुप का परिणाम 5.66 रहा।शाखा सचिव सीए मुरली अटल ने बताया कि एवं बताया कि भीलवाड़ा शाखा का परीक्षा परिणाम के बारे में बताया कि भीलवाड़ा शाखा में सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में ग्रुप 1 में 88 परीक्षार्थियों में से 12 सफल हुए, जिससे परिणाम 13.63 रहा।

इसी प्रकार, ग्रुप 2 में 94 परीक्षार्थियों में से 36 उत्तीर्ण हुए एवं परिणाम 38.29 प्रतिशत रहा, इसी के साथ बोथ ग्रुप में 117 में से 3 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की,

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

बोर्ड कार्यालय हेतु कम्प्यूटर डेस्कटाप, स्केनर, मल्टी फंक्शनल प्रिंटर, यू.पी.एस व इन्वर्टर GeM पोर्टल के माध्यम से क्रय किये जाने हैं। इच्छुक फर्म बोली दाताओं से बोली दिनांक 19.11.2024 को 04.00 PM तक आमन्त्रित की जाती है। बोली सम्बन्धी अन्य विवरण GeM पोर्टल तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। UBN: SEB2425GLOB00037

सचिव

लोहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती मनाई

अजमेर, (कासं)। लोहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती के अवसर पर वैशालीनगर स्थित शहीद भगतसिंह उद्यान में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उद्यान विकास समिति की कोर कमेटी के सदस्य राजेंद्र गांधी ने बताया कि इस अवसर पर समस्त सदस्यों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई । सरदार बल्लभ भाई पटेल की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धा अर्पित कर उनके द्वारा देश की अखंडता के लिए दिए गए योगदान को याद किया । किशन लखवानी ने सभी उपस्थित जनों को देश की सुरक्षा एवं अखंडता का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दीपक पुरोहित, नीरज राठी, सतीश विजयवर्गीय, दिलीप किरनानी, सुभाष गुप्ता, नरेश टहलियानी, नारी भाई, कालू जेठानी, कमल गुरनानी, नरेंद्र, राजेश करनानी सहित क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली रंग-बिरंगी भव्य एवं आकर्षक रोशनी से हुआ जगमग

अजमेर, 30 अक्टूबर (कासं)।श्री दिगम्बर जैन महाअतिशयकारी ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संपूर्ण क्षेत्र परिसर एवं पहाड़ी पर भव्य रंग-बिरंगी रोशनी की सजावट की गई है। संस्था के अध्यक्ष मनीष गदिया एवं प्रचार-प्रसार संयोजक कमल गंगवाल ने बताया कि नारेली परिसर के सभी जिनालयों, धर्मशालाओं, उद्यानों, मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर पहाड़ी के शीर्ष तक पहुंचने वाले पूरे मार्ग, पहाड़ी पर स्थित 141 फीट ऊंचे तीस चौबीसी मंदिर, त्रिकाल चौबीसी मंदिरों और त्रिमूर्ति जिनालय को इस विशेष सजावट का हिस्सा बनाया गया है।

समिति के कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गदिया और महामंत्री अतुल ढीलवारी ने बताया कि इस तीर्थ क्षेत्र का निर्माण परम पूज्य गुरुदेव निर्यापक श्रमण तीर्थ चक्रवर्ती मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से हुआ है। इस अद्वितीय रोशनी की सजावट में विभिन्न प्रकार की सुंदर लाइटों का उपयोग किया गया है, जो 2 नवंबर तक आमजन के दर्शन के लिए उपलब्ध रहेगी। नारेली परिसर सांय 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक दर्शनार्थ खुला रहेगा, और अजमेर शहर व आसपास के क्षेत्रों से हजारों लोग इसे देखने आ रहे हैं।

चर्चा हुई

अजमेर, (कासं)। सिन्ध में नवाबशाह में जन्म लेने वाले महापुरूष बाबा ईसरदास की शताब्दी वर्सी 7 से 13 जनवरी 2025 तक ईश्वर मनोहर उदासीन आश्रम, श्री राम कथा व रामलीला व धर्म संसद का आयोजन किया जायेगा।

विक्रय निविदा

सहायक आयुक्त, महोदय, देवस्थान विभाग, अजमेर के आदेश क्रमांक एफ 3(14) देव/ट्रस्ट/2023-2742 दि. 10.10.2024 के अनुसार राजस्थान शिक्षा सांस्कृतिक संगम की जादूगर बस्ती, श्रीनगर रोड़, अजमेर स्थित प्रन्यास की अचल सम्पदा 2590 वर्गमीटर भूमि खुली नीलामी द्वारा बेचान करने की अनुमति प्राप्त हुई है। जो व्यक्ति इस खुली नीलामी में भाग लेने का इच्छुक है, वह प्रन्यास के पंजीकृत कार्यालय राजस्थान शिक्षा सांस्कृतिक संगम, 13/209, नया बाजार, अजमेर में दिनांक 5 नवम्बर 2024 को प्रातः 11 बजे उपस्थित होकर मय अमानत राशि (2.5 लाख रु. का संस्था के नाम निर्मित डीडी) खुली नीलामी में भाग ले सकता है।

-एस.एन. लड्ढा,
अध्यक्ष राजस्थान शिक्षा सांस्कृतिक संगम, अजमेर

युवा मित्र संघर्ष समिति मनाएगी काली दिवाली

ब्यावर (निसं)युवा मित्र संघर्ष समिति द्वारा ज़ारी किये गए ज्ञापन में बताया गया की सरकार द्वारा एक काले आदेश ने प्रदेश के 5000 युवाओं के घरों में अंधेरा करने का काम किया है।वो भी उस समय जब आने वाले नव वर्ष को पूरी दुनिया खुशियों के साथ माना रही थी काले आदेश ने उन खुशियों के पलों में रुलाने का काम किया और रोजगार छीनकर उन्हें बेरोजगार कर दिया गौरतलब है की इसके लिए सरकार से शहीद स्मारक पर बैठकर 72 दिनों तक भूखे प्यासे बैठ कर संघर्ष भी किया गया। लेकिन सरकार ने नहीं सुनी उसके साथ-साथ मंत्री डॉक्टर किरोडी लाल मीणा के आवास पर भी 11 दिन धरना दिया और 9 दिन अनशन किया। मानसिक दवाब में आकार मजबूरन पानी की टैंकी पर भी चढ़ गए थे जिस पर सरकार ने साकारात्मक आश्वासन देने का निर्णय लिया और आचार संहिता के बाद पुनः बहाल करने का आश्वासन भीदिया गया उसके बाद भी सरकार ने बेरोजगारों की एक नहीं सुनी जिसको लेकर अभी उम्मीद थी कि सरकार दीपावली से पूर्व सभी के घरों में दीपक जलाने का काम करेगी और सभी को रोजगार लौटने का काम करेगी। लेकिन अभी तक भी किसी भी प्रकार का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है जबकि हमारे 2 युवा मित्र साथी भाईयों की नौकरी जाने के कारण मानसिक दवाब में मृत्यु भी हो चुकी है। उसके बावजूद सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का कोई निर्णय युवा मित्रों के हक में नहीं लिया गया है प्रदेश के अनेको युवा मित्र नौकरी जाने के कारण काफी मानसिक दवाब में है और दर दर की ठोकरें खा रहे हैं , सभी प्रदेश के युवा मित्रों ने निर्णय लिया है कि दीपावली के इस पर्व को काली दीपावली के रूप में मनाया जाएगा जब तक सरकार हमें हमारा रोजगार वापस नहीं लौटा देती है। आने वाले समय में भी इस पर्व को काली दीपावली के रूप में ही मनाया जाता रहेगा।

विचार बिन्दु

प्रकृति का तमाशा भी ख़ूब है। सृजन में समय लगता है जबकि विनाश कुछ ही पलों में हो जाता है। –ज़फ़िया ज़ुबैरी

सीकर बस दुखान्तिका--महीने में 5 ,4 ऐसी भीषण दुर्घटनाएं, कुछ तो किया ही जा सकता है

29 अक्टूबर 2024 की लक्ष्मणगढ़-सीकर में भयानक बस हादसा हुआ।12 लोगों की अकाल मौत हुई। मीडिया में जो विवरण सामने आया है उस से एक बात साफ है कि यह, उस समय बस चला रहे ड्राइवर की घोर लापरवाही का परिणाम है। ओर कारणों की स्पष्टता यथा बस की फिटनेस, ड्राइवर की योग्यता व उसके लाइसेंस की वैधता, क्षमता से अधिक सवारी आदि तो विस्तृत जांच में सामने आएंगे।

लेकिन यह कोई अकेली घटना है क्या? देश और प्रदेश में आए दिन इस प्रकार की भयंकर दुर्घटनाएं हो रही है। आप गूगल सर्च करिए, हर प्रान्त, हाइवे पर घटी भीषण सड़क दुर्घटनाओं का विवरण मिल जाएगा। 2,5,10 दिन में हम सभी व हुक्मरान सीकर दुर्घटना को एक ओर घटना मान कर शान्त हो जाएंगे।

पाठकों को याद दिला दूं, आज से करीब 30 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक भयंकर बस दुर्घटना चितौड़ में हुई थी। उसी समय उदयपुर जयसमंद झील में एक नाव भी डूबी थी जिसमें शायद 70 लोग झील में डूब गए थे। बड़ा शोर मचा, बयानबाजी हुई। नियमों में सख्त परिवर्तन किया जाएगा आदि आदि। महीने दर महीने इस प्रकार की दुखान्तिकाओं का सिलसिला घटने के बजाए बढ़ता ही रहा है।

नियमों में परिवर्तन का एक ड्राफ्ट तैयार कर, राज्य सरकार (वो जो भी हो, जहां भी हो) के समक्ष रखा गया। उस में अन्य बातों के साथ साथ बस के मालिकों पर भी आपराधिक दायित्वों का सुझाव था क्योंकि अप्रशिक्षित ड्राइवर से या अनफिट वाहन चलवाना अपराध खयों न हो? किंतु परिवहन ऑपरेटर्स की प्रभावशाली लॉबी के आगे सरकार बेबस रही होगी। प्रसंगवश पाठकों को याद दिला दूं कि प्रदेश के अलवर जिले में, किसी समय किसी की आला व्यक्ति की सरपरस्ती में हजारों हजार ड्राइविंग लाइसेंस बिना जांच पडताल के जारी कर दिए थे। 2,4,5 दिन की अखबारी सुर्खियों के बाद, मामला शांत!!

छोटे-बड़े कस्बों में सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच किसी सड़क पर जाती स्कूल बसों को ध्यान से देखिए। शायद सभी देखते भी होंगे। अधिकांश चालक अंधाधुंध स्पीड पर गाड़ी चलाते है, मोड़ों पर भी स्पीड कम नहीं करते। अधिकांश ड्राइवर लगातार मोबाइल फोन पर बात करते चलते है। खतरनाक व गलत तरीके से ओवरटेक करते है और पैदल सवारियों को वाहन रोक कर या स्पीड कम करके रास्ता देना तो जैसे तौहीन समझते है।

आइए, कुछ बहुत साधारण साधारण बातों पर विचार करें। छोटे-बडे कस्बों में सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच किसी सडक पर जाती स्कूल बसों को ध्यान से देखिए। शायद सभी देखते भी होंगे। अधिकांश चालक अंधाधुंध स्पीड पर गाडी चलाते है, मोड़ों पर भी स्पीड कम नहीं करते। अधिकांश ड्राइवर लगातार मोबाइल फोन पर बात करते चलते है। खतरनाक व गलत तरीके से ओवरटेक करते है और पैदल सवारियों को वाहन रोक कर या स्पीड कम करके रास्ता देना तो जैसे तौहीन समझते है। इतना ही नही यदि पैदल सवारी हाथ देकर सडक करने का प्रयास करे तो इतनी जोर से हॉर्न बजाते जाते है, मानों आक्रोशित होकर कह रहे हो, क्या कर रहे हो, धैर्य रखो, पहले मुझे निकलने दो, जल्दी है!!!! नहीं, गलत कहा है क्या?? अब देखिए,चौराहे या तिराहों पर या किसी भी मोड पर बसें सवारी उतारने,चढाने के लिए इस प्रकार खडी की जाती है कि दूसरे पैदल या वाहन सवार आदमी को बस के दांए-बांयें से आता कोई वाहन नहीं दिखेगा।

कस्बों में मिनी बस, दूसरी बसें व अन्य यात्री वाहन सडक पर चलते हुए, ब्रेक लगाकर, बीच सडक पर गाडी रोक कर सवारी उतरते है, कितना रिस्की है, आप समझते तो जरूर होंगे, इन वाहनों के ड्राइवर भी समझते तो है किंतु जल्दी निकलना है, आगे की कोई सवारी किसी ओर वाहन में न चली जाए??

व्यस्त मार्गों पर स्लिप लेंस का प्रावधान कर तो दिया किन्तु अधिकांशत: सीधे या दांए सडक क्रॉस करने वाले स्लीप लेंस खाली ही नही छोडते। ऐसी व्यस्त जगहों पर तो यातायात पुलिस के लोग भी खडे मिलते है।

अब अगर किसी में धैर्य हो तो मृतप्राय आरटीआई कानून के अंतर्गत इस यह सूचना प्राप्त करले कि वाहन चलाते फोन पर बात करते हुए कितने ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त हुए, व्यस्त मोडों पर है स्पीड में मुडते हुए या सीधे निकलते हुए कितने चालान हुए, कितने ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त हुए???

अब आप यह बताओ कि क्या पुलिस, यातायात विभाग के निचले स्तर से लेकर वरिष्ठ अधिकारी और वो ही क्यों, मंत्री, विधायक इन सब बातों से अनभिज्ञ है???? यदि आप ऐसा मानते हैं तो बोलो जयश्री---।

चलते चलते इस पर भी विचार करना कि अनफिट वाहन चलवाने या वेल्ट्रेण्ड ड्राइवर न रखकर वाहन चलवाने या लंबी लंबी दूरी के ट्रक व सवारी गाड़ियों पर ड्राइवरों को बिना पर्याप्त रेस्ट दिए वाहन चलवाने के लिए वाहन मालिकों पर आपराधिक दायित्व आयत होना चाहिए या नहीं????

ओर अंत में अकेले वाहन चालक ही नही, हम नागरिक भी बराबर के से दोषी है--हम हमारे बच्चों को स्कूल के लिए समय पर तैयार नहीं करेंगे, दुकान-दफ्तर जाने के लिए पर्याप्त समय पहले रवाना नहीं होंगे, स्कूलों वाले बच्चों को लेट करने वाले वाहन चालकों की शिकायत कर आर्थिक दण्ड दिलवाएंगे, नियम तोडने में श्रमशंका नहीं करेंगे,100,50 का नोट दिखाकर या किसी जानकार रशुखदार का नम्बर मिलाकर पुलिस वाले को फोन पकडाते हिचकिचाएंगे नही तो सुधार की गति भी कछुवा चाल ही होगी और हम लोग यों ही गिल्वे शिकायत करते रहेंगे---क्यों गलत कहा??? ओर यह के दृश्य शहरों में, बाहर के हाइवेज, दूसरी सडको पर आम देखे जा सकते है।

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

पांच दिन उत्सव और पर्व दीपावली

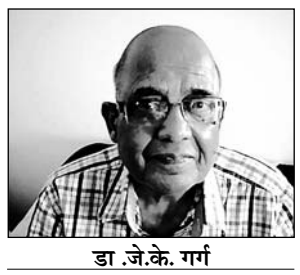

डा .जे.के. गर्ग

भारतवर्ष के अंदर दीपावली पाँच दिन का पर्व और उत्सव को कार्तिक कृष्णा तेरस से कार्तिक शुक्ल दूज तक हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई जाती है जिन्हें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, अमावस्या दीपावली, बाली प्रतिपदा गोवर्धन पूजा एवं यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में जाना जाता है। इन सभी दिनों के बारे में अनेक किंवदन्तियाँ पौराणिक और धार्मिक मान्यता है। उल्लेखनीय महाराष्ट्र में दिवाली का पर्व छह दिनों तक मनाया जाता है यहाँ दिवाली वासु बरस या गौ वास्ता द्वादशी के साथ शुरू होता है और भैया दूज के साथ समाप्त होता है ।

पांच दिन के पर्व दिवाली का प्रथम दिन धनतेरस या धनवंतरी त्रयोदशी के रूप में मनाया जाता है धनतेरस का अर्थ है धन एवं संपत्ति है। धनतेरस को देवताओं के चिकित्सक भगवान धन्वंतरि की जयंती के रूप में मनाया जाता है, पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन के दौरान अवतरित हुए थे । इस दिन को शुभ मानते हुए लोग बर्तन, सोना-चादीं जेवरात आदि खरीदना शुभ और मंगलकारी मानते हुए इसकी खरीदारी करते हैं। पांच दिन के पर्व दिवाली के दूसरे दिन चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है, कुछ स्थानों पर इसको छोटी दिवाली भी कहते हैं । कहा जाता है कि ईसी दिन भगवान कृष्ण ने राक्षस नरकासुर को मारा था। नरक चतुर्दशी को बुराई एवं अंधकार पर अच्छाई एवं प्रकाश की विजय के संकेत के रुप में मनाया जाता है। छोटी दिवाली के दिन लोग अपने घरों के आसपास बहुत से दीपक जलाते है और घर के बाहर रंगोली बना कर खुशी का इजहार करते है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का महत्व गंगा के पवित्र जल में स्नान करने के समकक्ष माना जाता है। पांच दिन के पर्व के तीसरे दिन अमावस्या को दीपावली के यूप में मनाया जाता है इस दिन सभी घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठान, कार्यस्थलों, ऑफिसों में धन-संपदा की देवी लक्ष्मी माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है और विपत्ति-कष्ट के निवारण के लिये प्रथम देव भगवान गणेशजी की भी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी घर-परिवार में सुख-समृद्धि प्रदान कर समस्त परिजनों को आशिर्वाद देकर उन पर धन-धान्य की वर्षा करेंगी ।

नगर, गलियों, घरों, सार्वजनिक जगहों पर दिये की रोशनी से अमावस्या के अँधेरे को शीतल पूर्णिमा की चांदनी मे बदल दिया जाता है । पांच दिन के पर्व के चौथे दिन बाली प्रतिपदा और गोवर्धन पूजा के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत में इसका गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) के रूप में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण द्वारा इंद्र के गर्व को पराजित करके लगातार बारिश और बाढ से बहुत से लोगों (गोकुल वासी) और मवेशियों के जीवन की रक्षा करने के महत्व के रुप में इस दिन जश्न मनाते है। अन्नकूट मनाने के महत्व के रुप में लोग बडी मात्रा में भोजन की सजावट(कृष्ण द्वारा गोवर्धन पहाड उठाने प्रतीक के रुप में) करते है और पूजा करते है। यह दिन कुछ स्थानों पर दानव राज बाली पर भगवान विष्णु (वामन) की जीत मनाने के लिये भी बाली-प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है। कुछ स्थानों जैसे महाराष्ट्र में यह दिन पडवा या नव दिवस (रूप में भी मनाया जाता है और सभी पति अपनी पत्नियों को उपहार देते है। गुजरात में इसको नये दिन के रूप में भी मनाते हैं यह विक्रम संवत नाम से कैलेंडर के पहले दिन के रूप में मनाया जाता है। दिवाली पर्व के पांचवे दिन को यम द्वितीया या भाई दूज के रूप में मनाते हैं इस दिन को भाई-बहनों के अटूट स्नेह बंधन के पर्व में जाना जाता है इस पर्व के पीछे मृत्यु के यम की कहानी है। आज के दिन यमराज अपनी बहन यामी यमुना से मिलने आये और अपनी बहन द्वारा उनका आरती के साथ स्वागत हुआ और यम एवं यामी ने साथ-साथ में खाना भी खाया। यम ने अपनी बहन यामी को अनेकों उपहार भी दिये। लोग यम द्वितीया या भाई दूज को बहन-भाई के पारस्परिक प्रति प्रेम और स्नेह के रूप में मनाते है।

माता लक्ष्मी की स्थाई कृपा प्राप्त करने का अचूक इलाज

दीपावली के पावन पर्व सौभाग्य धन, सम्पन्नता, सुख खुशी की कामना रखने वाले सभी व्यक्ति माता लक्ष्मी जी पूजा अर्चना और आराधना श्रद्धा के साथ करते हैं। साधारणतया हम अपने-अपने घरों की बाहरी सफाई करते हैं रंग-रोशन भी करवाते हैं, घरों को सजाते भी हैं । हम दीपावली पर अपने आप से सवाल पूछें क्या हमारा दिल सभी अवगुणों यानी क्रोध, ईर्ष्या, लोभ-लालच, असीमित इच्छा, घ्रणा, राग-द्वेष छल-कपट से मुक्त है ? अधिकांश लोगों की अंतरात्मा से यही आवाज आयेगी-नहीं-नहीं । क्योंकि कमोपेश इनमें बहुत से दुर्गुण हमारें दिलों में मोजूद हैं । याद रखिये जब तक हम अपनी आत्मा एवं दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त नहीं करंगे माँ मोक्ष लक्ष्मी हमारे घर मे प्रवेश नहीं करेगी । यह मान कर चले जिस दिन हमने अपनी आत्मा और -दिल को इन दुर्गुणों से मुक्त कर लिया उसी क्षण से माँ मोक्ष लक्ष्मी आप के घर मे सदेव के लिए निवास करेंगी ओर आपका घर परिवार हमेशा धन सम्पदा खुशियों के हजारो दीपों से रोशन होगा। माँ लक्ष्मी उन्हें पसंद करती है जो रचनात्मक सोच रखते है, जिनके पास एक कार्य योजना है, सब के सहयोग से काम करते हैं,सभी की मदद करते है, खुद खुश रहते हैं और अन्य को भी खुशी देते हैं, अच्छे काम और दूसरे की भलाई के लिए प्रयास करते हैं। गरीबों की मदद करते हैं, किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करते हैं और ना ही किसी से कोई अपेक्षा रखते हैं और जीवन में हुए हर परिवर्तन को दिल से स्वीकार करते है । किसी भी उपेक्षा ओर अपमान नहीं करतें हैं, सच सुनते हैं, सच बोलते हैं तथा हमेशा मीठी वाणी बोलते हैं, सही काम करते हैं एवं किसी के लिए बुरा नहीं करते हैं और जीवन मे आई मुसीबतों का हिम्मत के साथ मुकाबला करते है तथा निष्काम भाव से सात्विक कर्म करते हुए उनको प्रभु को अर्पण कर देते।

याद रखे सच्चा सुख केवल सत्य से ही मिलता है, यह भी संभव है की इस प्रक्रिया मे आपको दु:ख का भी सामना करना पड़े । यह भी सत्य है कि जहां पर बुद्धीजीवी का अपमान होता है उस स्थान पर लक्ष्मीजी निवास नहीं करती है । माता लक्ष्मी वहीं निवास करती है जहाँ गरीबों की मदद करने ओर उनकी सेवा करने की भावना होती है, जहाँ मूर्खो और पाखंडियों को सम्मानित नहीं किया जाता है, जहाँ लोगों जरुरतबंध स्त्री-पुरूषों को कभी खाली हाथ नहीं लोटाया जाता है, जहाँ बच्चों को भगवान के तुल्य मान कर उन्हें प्यार दिया जाता है, जहां पारिवारिक-क्लेश नहीं होते है और जहाँ पति-पत्नी दो शरीर एवं एक आत्मा के रूप में रहते हैं। निसंदेह लक्ष्मी जी वहां कभी नहीं जाती जहां पर गंदगी होगी ओर लोग आलसी-कामचोर, घमंडी, क्रोधी होंगे एवं जहाँ पर महिलाओं-बच्चो का सम्मान नहीं होगा । माँ लक्ष्मी उनसे भी नाराज होती हैं जो शंकालु, परिवर्तन से डरने वाले, डर में ही जीने वाले, डरपोक एवं जो सिर्फ अपने लिए ही धन इकट्ठा करने वाले होते हैं ।

धर्म शास्त्रों में उल्लेखित मान्यता निर्विवाद और सही है, किन्तु आज के माहौल को देख आत्मा स्वयं से सवाल करती है और तर्क वितर्क भी करती है क्यों माता लक्ष्मी आज धन-संपदा से ईमानदारों, बुद्धीजीवियों, सत्यवान दीयों और कानून में विश्वास रखने वालों के बजाय भ्रष्टाचार अनाचार मे लिप्त, सजायाप्ता स्त्री-पुरुष, जनसाधारण का शोषण करने वाले लोगों को उपकृत करती दिखाई दे रही है, क्यों समाज के कंटक, गुंडे लोग ऐशोआराम की जिंदगी जी रहें हैं? क्यों बुद्धीजीवियों को अनपढ़ों के आदेश मानने पड रहे हैं? क्यों सत्यवादी आदमीयों के लिये अपनी न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने के लिये भी संघर्ष करना पड रहा है ? क्यों जुमलेबाज लोगों को मूर्ख बना कर अपना हित साध पाने में सफल हो रहे हैं? सच्चाई तो यही है कि परमात्मा के न्याय में देरी तो हो सकती है किन्तु देर सबेर न्याय जरूर मिलता है । प्रभु ईसामसीह कहते थे कि सुई की नोक के अंदर ऊँट तो भले ही प्रवेश कर सकता है किन्तु गलत तरीकों से धन कमाने वाला व्यक्ति कभी भी स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकता है उनको तो माया लक्ष्मी भ्रमित करती है मोक्ष दायनी माँ लक्ष्मी उनसे कोसों दूर रहती है और ऐसे धनिक मनुष्य को जीवन के किसी पड़ाव पर असाध्य रोगों बीमारियों से और अन चाही तकलीफों के शिकार होते हैं उनके परिजन धन की अधितकता की वजह से पथ भ्रष्ट होकर नारकीय जीवन जीते हैं। माने या नही माने ऐसे आदमीयों के परिजन परिवार की प्रतिष्ठता को कलंकित करते है। गुरु नानक देव जि ने बतलाया था कि नेकी की कमाई ही सच्चा सुख-सम्पनता प्रदान करती है।

–डा .जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा, जयपुर

दीपावली की रामा-श्यामा करने बाजार में पैदल निकले विधायक धनकड, जगह-जगह हुआ स्वागत

पावटा।विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने सोमवारको पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र व मंगलवार को मण्ढा, राजनौता, संतोषी माता मंदिर, कारोली, हापोडा स्टैंड, पाछूंडाला, प्रेमनगर व बुधवार को बडनगर, तुलसीपुरा, ठिकरिया, जयसिंहपुरा, लुहाकणा खुर्द, लुहाकणा कलां, किशनपुरा, श्री श्री 1008 बाबा बालकनाथ आश्रम अहीर की बावडी मे सुबह 10 बजे दीपावली के पावन पर्व पर रामा-श्यामा करने बाजार में निकले।

इस दौरान उनका जगह-जगह व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने स्वागत किया।विधायक कुलदीप धनकडने दीपावली की रामा-श्यामा कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए मुख्य बाजारों में व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और समाजसेवियों व ठाामीणों से रामा श्यामा की। इस दौरान उनका व्यापारियों ने जगह-जगह पर माला साफा पहनकर भव्य स्वागत-सम्मान किया। पद यात्रा के दौरान धनकड ने जहां बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों से आशीर्वाद लिया। वहीं बच्चों को आशीर्वाद के साथ उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

विधायक कुलदीप धनकड ने बाजार में पैदल धूम कर रामा श्यामा की ।

मालपुरा में व्यापारियों को मिलेगा पुरस्कार

मालपुरा (निस) । दीपावली के पावन पर्व पर मालपुरा शहर में विशेष सजावट करने वाले व्यापारियों को नगरपालिका प्रशासन की ओर से नगद पुरस्कार दिया जायेगा । नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी ने दुकान सजाओं ईनाम पाओ की घोषणा कर बुधवार को आदेश जारी करते हुये व्यापारियों को सजावट के लिये किया प्रेरित। विशेष सजावट का मुल्याकंन करने के लिये छ: सदस्यों की चयन कमेटी का गठन किया गया। जिसमे तहसीलदार पवन कुमार चौधरी,पालिका के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण ,वरिष्ठ नागरिक त्रिलोक चन्द विजय,दीपोत्सव आयोजन समिति के संयोजक डॉ. राजकुमार ,हिन्दु समरसत्ता मंच के एडवोकेट कृष्णकांत जैन व रामजीलाल शर्मा को शामिल किया गया। प्रथम पुरस्कार विजेता को 5100०० रूपये एंव द्वितीय विजेता को 2100०० रूपये एंव तृतीय विजेता को 1100०० रूपये का पुरस्कार दिया जायेगा। इस बार पांच दिवसीय दीपोत्सव के तहत शहर के प्रमुख चौराहो पर भजन संध्या,अलगोजा पार्टी,मशक्क बीन,के साथ-साथ सुभाष सर्किल पर राधाकृष्ण व हनुमान जी की संजीव आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

कलक्टर ने स्वच्छ वायू प्रदूषण के उपायों को देखा

वायु प्रदूषण के नियंत्रण संबंधित एजेंसियों द्वारा धरातल किये जा रहे कार्यो

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शहर में वायु प्रदूषण के नियंत्रण हेतु संबंधित एजेंसियों द्वारा धरातल पर किये जा रहे कार्यों का मौका निरीक्षण किया। उन्होंने वायु प्रदूषण के चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्र ट्रांसपोर्ट नगर, हनुमान सर्किल, 200 फिट रोड, टेल्को सर्किल, पुराना इंडस्ट्रियल एरिया आदि के आस-पास के क्षेत्र का दौरा किया।

उन्होंने निर्देश दिये कि शहर की वायु गुणवत्ता हेतु नगर निगम, यूआईटी, पीडब्लूडी, रीको एवं प्रदूषण नियंत्रण मंडल तालमेल रख कर शहर की वायु गुणवत्ता एवं स्वच्छता हेतु चिन्हित हॉटस्पॉट पॉइंट पर निरोधात्मक गतिविधियां करावें जिसमें रोड साइड पानी का निरंतर छिडकाव, रोड डस्ट को हटवाने के साथ रोड साइड इंटरलोकिंग टाइल्स लगवाना तथा पौधारोपण आदि के कार्य कराये जाये। कचरा किसी भी स्थिति में नहीं जले इसे सुनिश्चित करावें। उन्होंने वायु प्रदूषण के हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित अग्रसेन सर्किल से हनुमान सर्किल वाली सडक एवं वहां से सूर्य नगर लिंक रोड तक नगर विकास न्यास के द्वारा, पुराना औद्योगिक क्षेत्रा ईटाराना पुलिया से सामोला सर्किल व कृषि उपज मंडी मोड से रेल्वे स्टेशन तक तथा ट्रांसपोर्ट नगर की मैन सडक पर नगर विकास न्यास द्वारा तथा टेल्को सर्किल से भूगोर बाईपास तक रिडकोर द्वारा रोड साइड डस्ट को हटाने, इंटर लॉकिंग कार्य कराने तथा पौधारोपण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने यूआईटी की सचिव को निर्देश दिये कि टेल्को सर्किल के पास एक प्रवेश द्वार तथा अन्य सौन्दर्यकरण के प्रस्तावित कार्यों की कार्ययोजना बनाए। इस दौरान यूआईटी की सचिव सुश्री धाईगुडे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, पीडब्लूडी के अधीक्षण अभियंता श्री भूरी सिंह, प्रदूषण नियंत्राण मण्डल के क्षेत्रीय अधिकारी श्री दिपेन्द्र झरवाल, यूआईटी के अधिशाषी अभियान श्री योगेंद्र वर्मा, नगर निगम के राजस्व अधिकारी युवराज मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ईसा से 300 साल पहले से जारी हो रहे हैं मां लक्ष्मी अंकित सिक्के

भारत में आए विदेशी शासक इंडो सीथियन राजाओं ने मां लक्ष्मी के गजलक्ष्मी वाले सिक्के जारी किए थे।

कोटा, (निसं)। दीपावली पर हर घर में ऐश्वर्य व वैभव की देवी मां लक्ष्मी की पूजा होती है। साथ ही ज्यादातर परिवार मां लक्ष्मी के अंकित सिक्के खरीदते हैं और उनका घर धन-धान्य से परिपूर्ण रहे इसकी कामना के साथ पूजा के उपरांत उन सिक्कों को सहेज कर रखते हैं। वरिष्ठ मुद्रा विशेषज्ञ (न्यूमिजमाटिक्स) एडवोकेट शैलेश जैन कहते हैं कि दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के लिए सिक्के खरीदने की परंपरा रियासतकाल से चली आ रही है।

कई हिंदू शासकों के कालखंड में यह सिक्के तो जारी किए ही गए है।मुस्लिम शासक मोहम्मद गोरी ने भी मां लक्ष्मी अंकित सिक्के जारी किया था और इसके प्रमाण आज भी मौजूद हैं जिन्हें म्यूजियम में सहेजकर रखा गया है। भारत में आए विदेशी शासक इंडो सीथियन राजाओं ने मां लक्ष्मी के गजलक्ष्मी वाले सिक्के जारी किए थे। इनमें राजा एजायलिस का एक सिक्का यूनाइटेड किंगडम के एशमोलियन म्यूजियम और दूसरा ब्रिटिश म्यूजियम में रखा है। उन्होंने बताया कि मां लक्ष्मी अंकित सिक्कों को ऐश्वर्य, समृद्धि और खजाने में संपन्नता के लिए हिंदू शासकों ने सहेजकर रखा। यही रीत कई मुस्लिम शासकों ने भी अपनाए और मां लक्ष्मी पर सिक्के जारी किए क्योंकि लक्ष्मी जी को सदियों से ऐश्वर्या, सौभाग्य की देवी के रूप में पूजा जाता रहा है। जैन ने बताया कि करीब 2300 साल पहले भी मां लक्ष्मी की मूर्ति अंकित सिक्के जारी हुए थे। न्यूमिजमाटिक्स एडवोकेट शैलेश जैन ने बताया कि ईसा से 300 साल पहले यानी 2300 साल पूर्व भी मां लक्ष्मी की मूर्ति अंकित सिक्के मिले हैं। लगभग इसी कालखंड में माता लक्ष्मी पर सिक्के या मुद्रा जारी होना शुरू हुआ था। न्यूमिजमाटिक्स जैन का कहना है कि उज्जैन के सिक्कों पर गज लक्ष्मी का अंकन मिलता है। ये सिक्के भी 2200 से 2300 साल पुराने हैं।

इसमें मां लक्ष्मी कमल पर आसीन पर दिखती हैं तो कुछ सिक्कों में बैठी नजर आती हैं। साथ ही इसमें मां लक्ष्मी के दोनों तरफ हाथी दिखते हैं। ये दोनों हाथी अपनी सूंड को ऊपर उठाए वैभव की वर्षा करते हैं। कुषाणवंश के राजा कनिष्क के समय के सिक्के पर एक देवी नजर आती हैं जो गेहूं की बालियां लिए खड़ी दिखती हैं जिन्हें इतिहासकार मां लक्ष्मी मानते हैं। इसी तरह वर्तमान में भी लक्ष्मीजी का यही स्वरूप देखने में आता है। पांचाल राज्य में फाल्गुनी मित्र ने पहली शताब्दी के दौरान सिक्का जारी किया था।

राशिफल गुरूवार 31 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:45 तक, विष्कुम्भ योग प्रात: 9:50 तक, शकुनिकरण दिन 3:53 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:16 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज दीपावली छोटी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:02 तक, चर 10:48 से 12:10 तक, लाभ-अमृत 12:10 से 2:56 तक, शुभ 4:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:40, सूर्यास्त 5:41

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में उचित सफलता मिल सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मिथुन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

तुला
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

पति से कहासुनी के बाद पत्नी ने खुद को आग लगाई

पाली, (नि.सं.)। पति से कहासुनी के बाद आवेश में आकर एक विवाहिता ने खुद पर केरोसीन डालकर आग लगा दी। उसे बचाने के प्रयास में 18 साल की बेटी भी झुलस गई। दोनों मां-बेटी को उपचार के लिए, पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया है, जहां दोनों का उपचार जारी है।

सूचना पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और घायल महिला से बयान लिया। महिला ने बताया कि उसकी सुबह पति से किसी बात पर कहासुनी हो गई थी, जिससे उसने आवेश में आकर खुद पर केरोसिन उड़ेल लिया और आग लगा ली। हालांकि महिला ने फिलहाल पति के खिलाफ कार्रवाई को लेकर रिपोर्ट नहीं दी है। साथ ही कहा कि उससे गलती हो गई।

हॉस्पिटल चौकी प्रभारी पुखराज पटेल ने बताया कि आग से झुलसने से पाली के बापूनगर विस्तार में रहने वाली 48 साल की कैलाशी देवी और उसकी 18 साल की बेटी नीलम झुलस गई। दोनों का उपचार जारी है। बयान में घायल कैलाशी देवी ने बताया कि किसी बात को लेकर सुबह उसकी अपने पति से विवाद हो गया। पति के काम पर जाने के बाद दोपहर को उसने केरोसीन डालकर खुद को आग लगा दी। उसके चिल्लाने पर उसकी 18 साल की बेटी नीलम दौड़कर आई और उसे बचाने के प्रयास में वह भी झुलस गई।

65 लाख रुपए की राशि हड़पने का मुख्य आरोपी पकड़ा

बौंली-बामनवास। विभिन्न महाविद्यालय में पढ़ने वाले आरक्षित वर्ग के छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति में एक योजनाबद्ध फर्जी तरीके से 65 लाख रुपए की राशि हड़पने का मुख्य आरोपी देवराय नजूंनादिया नरेश निवासी गौतम मार्ग 212 निर्माण नगर जयपुर को सवाई माधोपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी पर सवाई माधोपुर पुलिस द्वारा 5 हजार का इनाम घोषित था इस छात्रवृत्ति घोटाले के मामले में पुलिस ने अनुसंधान के बाद एक महिला सहित 10 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था यह मुख्य आरोपी फरार चल रहा था। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बताया कि उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर के मानटाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें महात्मा गांधी ज्योति राव फुले विश्वविद्यालय अचरोल जयपुर उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति स्वीकृत के फार्म प्राप्त हुए थे वर्ष 2022-23 में एमजेएमएस स्कॉलरशिप पोर्टल पर फार्म प्राप्त हुए थे यह फॉर्म ई-मित्र कियोस्क के कंप्यूटर से एक से अधिक संख्या में क्रिएट किए गए व पोर्टल/ वेबसाइट के माध्यम से छात्रों की छात्रवृत्ति विभिन्न बैंक खातों में

पुलिस गिरफ्त में गबन का आरोपी जयपुर निवासी डीएन नरेश।

करीब 65 लाख रुपए स्वीकृत होकर जमा होगई 285 छात्रों के छात्रवृत्ति फॉर्म में 42 बैंक खातों ऐसे खोले गए जो दो या अधिक छात्रों के थे इस प्रकाश किसी ने सरकारी धन को धोखे से योजनाबद्ध तरीके से हड़प लिया। पुलिस ने मामला

■ छात्रवृत्ति घोटाले के मामले में पुलिस ने अनुसंधान के बाद एक महिला सहित 10 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था

दर्ज कर अनुसंधान के बाद पाया कि आरोपी अजय गुर्जर, श्यामलाल माली, सुनील पंचोली, सुनील सैनी व ममता सैनी फीस की रसीद व अप्रूड की प्रक्रिया के लिए यूनिवर्सिटी में कार्यरत मुख्य आरोपी डीएन नरेश व मुकेश सैनी कंप्यूटर ऑपरेटर से सांठगांठ कर फीस रशीद लगाकर छात्रवृत्ति भुगतान से कार्यालय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सवाई माधोपुर के पोर्टल पर आती थी जिसमें विभाग में कार्यरत कर्मचारी ई-मित्र संचालक राजेंद्र वर्मा ,अजहर सूचना सहायक ऋषिकेश मीणा के माध्यम से छात्रों की छात्रवृत्ति का भुगतान करते थे। पूर्व में आरोपी अजय गुर्जर, श्यामलाल माली, मुकेश सैनी, ऋषिकेश मीणा, राजाराम, राजेंद्र, कंवर सिंह, सुनील सैनी, सुनील पंचोली, व ममता सैनी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस महानिदेशक ने दी दीपावली पर बधाई

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) उत्कल रंजन साहू ने ज्योति पर्व दीपावली पर राजस्थान पुलिस की ओर से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि की मंगलकामना करते हुए प्रदेश के पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों और उनके परिजनों को बधाई और शुभकामनाएं दी है।

डीजीपी साहू ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि राजस्थान पुलिस प्रदेश में शांति और कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने, अपराधों पर लगाम कसने तथा जनसुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश के पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी दीपावली के पर्व पर अतिरिक्त सजगता और सतर्कता के साथ देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए तत्पर रहते हुए दीपोत्सव की खुशियां साझा करेंगे। साहू ने कहा कि प्रदेश में सभी लोगों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारा सदैव एक मिसाल रहा है। यहां सभी लोग त्यौहारों की खुशियां मिल जुलकर मनाते हैं, इससे ये परम्पराएं और मजबूत होती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस बार भी दीपावली का त्यौहार सभी लोग हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए इन परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लेंगें।

एसीबी मुख्यालय में दिवाली मिलन समारोह

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय में बुधवार को एसीबी पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में दिवाली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां एसीबी अधिकारियों और कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से त्योहार का आनंद लिया और एक-दूसरे को बधाई दी।

पावरग्रिड बीकानेर ट्रांसमिशन सिस्टम लिमिटेड

(पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उप–धारा (2) के तहत)

1. पावरग्रिड बीकानेर ट्रांसमिशन सिस्टम लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016 में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष, विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उप–धारा (2) के तहत पारेषण लाइनों, सब–स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों, जिनका विवरण नीचे दिया गया है, के संबंध में, ट्रांसमिशन लाइसेंस संबंधित एक आवेदन किया हैः–
- मौजूदा लाइसेंस का विवरण - 137/TL/2022 साथ ही संशोधन 181/TL/2023
- आ. जोड़े जाने वाले ट्रांसमिशन तत्वों का विवरणः

क्र. सं.	पारेषण परिसंपत्तियों का नाम और स्थान	लाइन की लंबाई/क्षमता	पूरा होने का अनुमान लागत	कमीशनिंग शेड्यूल (अनुसूची सीओडी)	टिप्पणियाँ
1	•400/220kV बीकानेर-II PS के 400kV स्तर पर बस अनुभागीयकरण का एक सेट • एक नं। (क) बीकानेर - II पीएस में 400 केवी टाई बे (400/220 केवी आईसीटी – 4 से संबद्ध) की कुल संख्या 100 केवी टाई बे	•400 केवी बस सेक्शनलाइज़र –1 नग। •400 केवी टाई बे–1 नं।	रु 28 करोड़	कार्यान्वयन 400/220kV आईसीटी (4 वीं से 7 वीं) के साथ यानी, दिसंबर'24	विनियमित टैरिफ तंत्र के तहत कार्यान्वित किया जाना है
2	राजस्थान में 400/220 केवी बीकानेर - II पीएस पर 400/220 केवी, 1*500 एमवीए आईसीटी (9 वें) के साथ–साथ संबद्ध ट्रांसफार्मर बे द्वारा परिवर्तन क्षमता में वृद्धि	•500 एमवीए, 400/220 केवी आईसीटी –1 •400 के वी आईसीटी बे–1 •220 के वी आईसीटी बे–1 नग।	रु 54.60 करोड़	सीटीयूआईएल द्वारा कार्यालय ज्ञाप जारी होने की तिथि से 18 माह अर्थात 18.01.2026	

2. आयोग के समक्ष दायर पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.powergrid.in/subsidiaries पर किसी भी व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के कार्यालय ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर –29, गुड़गांव 122001 में व श्री के के चौधरी, परियोजना प्रभारी, पावरग्रिड बीकानेर ट्रांसमिशन सिस्टम लिमिटेड के साथ भी किया जा सकता है या आयोग के कार्यालय में आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जा सकता है।
3. कोई आपत्ति या सुझाव, यदि हो, तो इसे सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली–110029 के समक्ष दायर किया जा सकता है, जिसकी एक प्रति आपत्ति/सुझाव आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट को, इस सूचना के अखबार में प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर भेजी जाए।

जगहः बीकानेर
तारीखः 30.10.2024

के के चौधरी, परियोजना प्रभारी,
पावरग्रिड बीकानेर ट्रांसमिशन सिस्टम लिमिटेड

PG/CC/Notice-115(TBCB)/Advt-148/24-25

तीन युवकों से 37 हजार रुपए की लूट

■ तीन बाइक पर आए 9 बदमाशों ने की वारदात, खुद की बजाय पीडितों की बाइक लेकर भागे

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बलवाड़ा रेलवे फाटक के पास 3 युवकों से लूट की वारदात हुई। बदमाश तीनों से 37 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए। 3 बाइक पर आए 9 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों के हमले में तीनों को चोटें भी आई हैं। पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार दिनेश पुत्र लक्ष्मण रोत निवासी डोल कुंजेला ने रिपोर्ट में बताया की उसके साथ सुभाष पुत्र कालूराम, अरविंद पुत्र कालूराम तीनों बाइक लेकर दिवाली का त्योहार मनाने के लिए घर आ रहे थे। हिम्मतनगर गुजरात से रवाना होकर आधी रात को बलवाड़ा रेलवे फाटक के पास पहुंचे। फाटक ब्रॉस कर आगे आते ही 3 बाइक पर 9 बदमाश आए। बदमाशों ने ओवरटेक कर तीनों बाइक को आगे खडी कर दिया। वहीं उन्हें नीचे गिरा दिया। बदमाशों ने लट्ठ ओर लातों घुसों से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। सिर पर लट्ठ मारा, जिससे लहूलुहान हो गया। बदमाशों ने दिनेश के जेब से 15 हजार,सुभाष से 17 हजार ओर अरविंद के जेब से 5 हजार रुपए निकाल लिए। उनके साथी दूसरी इको गाडी में पीछे आ रहे थे। यह देखकर बदमाश बाइक लेकर भाग गए,लेकिन बदमाश उनकी बाइक छोड गए और दूसरी बाइक लेकर भागे। पुलिस ने मामले में लुटेरों की बाइक को जब्त कर लिया है। वहीं, बदमाशों की तलाश की जा रही है।

टोंक में 34 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद, एक गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान के द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना झिराना में पुलिस की गठित टीम द्वारा नांकाबन्दी के दौरान एक कार को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें 34 किलो 608 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया।

थानाधिकारी हरमिन ने बताया कि नांकाबन्दी के दौरान थाना झिराना के सामने से जा रही अल्टो कार को तलाशी के दौरान उसमें अवैध डोडा चूरा 34 किलो 608 ग्राम जप्त किया तथा चालक जगतार सिंह पुत्र मेजर सिंह ताति रामगढिया निवासी 63 एफ बी थाना गतसिंहपुर जिला श्रीगंगानगर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

नांकाबन्दी के दौरान कार से 34 किलो 608 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया।

फार्मेट सी-1
(अभ्यर्थियों के लिए समाचार पत्रों, टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट वाचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटेरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार
अभ्यर्थी का नाम एवं पता: नरेश कुमार मीणा ग्राम नया गांव पोस्ट ननावता तहसील अटरू जिला बारां (राज.)
राजनेतिक दल का नाम: निर्दलीय
निर्वाचन का नाम: विधानसभा सदस्य
निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- देवली उनियरा 097
में नरेश कुमार मीणा (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता/ करती है।

क्र. सं.	लंबित आपराधिक मामला			आपराधिक मामलों के लिए दोष सिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले के स्थिती	संबंधित अधिनियमों की धारा (एं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारिख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण
1.	N/A	FIR No 160/2023 पुलिस थाना बापचा जिला बारां	332, 353,143,188,427 IPC राजकार्य में बाधा डालना		
2.	ACJM-2 जयपुर मेट्रो प्रथम	337/2023 पुलिस थाना गांधी नगर, जयपुर	341, 323, 504, 506, 117 F		
3.	N/A	FIR No 159/2023 पुलिस थाना मोठपुर जिला बारां जाँच लंबित	143,435,283,427 IPC रोड़ जाम कर किसी संपत्ति को नुकसान करना	N/A	N/A
4.	N/A	FIR No 560/2023 पुलिस थाना कोतवाली जिला बारां जाँच लंबित	147,148,149,332,353,283,117, 506 IPC व 3 ST/SC राजकार्य में बाधा डालकर उदापन करना	N/A	N/A
5.	N/A	FIR No 572/2023 पुलिसथाना कोतवाली जिला बारां जाँच लंबित	153A, 504, 505, 506, 120B,IPC आपसी झगड़े को सामूहिक रूप से बिगाड़ कर उदापन करना	N/A	N/A
6.	N/A	FIR No 170/2023 पुलिस थाना मोठपुर जिला बारां जाँच लंबित	143, 283,336 IPC रोड़ जाम कर आगजनी करना	N/A	N/A
7	N/A	FIR No 403/2023 पुलिस थाना छबड़ा जिला बारां जाँच लंबित	143, 332,353,283 IPC रोड़ जाम कर राजकार्य में बाधा	N/A	N/A
8.	N/A	FIR No 308/2023 जीआरपी थाना बारां जाँच लंबित	145,147 रेल्वे अधिनियम रेल्वे ट्रेक जाम करना	N/A	N/A
9.	N/A	FIR No 277/2023 पुलिस थाना अटरू जिला बारां जाँच लंबित	147,148,149,506,268,188,189,285,504,505, 283 IPC सामूहिक रूप से रोड़ जाम कर उदापन करना	N/A	N/A
10.	N/A	FIR No 158/2023 पुलिस थाना हरनावदा शाहजी जिला बारां	332, 353 IPC राजकार्य में बाधा डालना	N/A	N/A
11.	JM अटरू	148/2020 न्यायालय में विचाराधीन कवाई थाना जिला बांरा 215/2021	143,188,332,353,269,270,271,504,506, IPC व 3PDP एक्ट, 5/6 राजस्थान महामारी अधिनियम 2020	N/A	N/A
12.	ACJM-2 जयपुर मेट्रो प्रथम	गांधी नगर जयपुर 533/2011 न्यायालय में विचाराधीन 3968/2014	336,109,120B IPC 3/25, 5/28 आर्म्स एक्ट साथ में बन्दुक रखता था जिससे किसी दूसरे आदमी के साथ दुष्प्रेरण किया जा सकता हो	N/A	N/A
13.	ACJM-6 जयपुर मेट्रो प्रथम	269/2004न्यायालय में विचाराधीन गांधी नगर जयपुर 1171/2021	147,148,149,307,IPC सामूहिक रूप से हत्या का प्रयास	N/A	N/A
14.	ACJM-12 जयपुर मेट्रो प्रथम	254/2004 न्यायालय में विचाराधीन गांधी नगर जयपुर 1460/2014	332, 353, IPC राजकार्य में बाधा	N/A	N/A
15	JM अटरू	197/2017 मोठपुर जिला बांरा 273/2017 न्यायालय में विचाराधीन	353		
16.	N/A	868/2004	283 IPC	ACJM-6 जयपुर मेट्रो प्रथम 31.03.2023	3PO का लाभ देकर प्रताड़ित कर रिहा किया

भाजपा हरियाणा प्रभारी और भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने बुधवार को जयपुर आवास पर प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, आमजन व पदाधिकारियों से सनातन परंपरा के पर्व दीपावली की रामा-श्यामा कर शुभकामनाएं दी।

अफेयर के शक में युवक को मार डाला

पाली, (नि.सं.)। बापू नगर विस्तार में रहने वाले 17 साल के किशोर की 25 अक्टूबर की रात को हत्या के मामले में पुलिस ने बजरंग बाड़ी में रहने वाले जितेंद्र, उसके भाई आशु और भागीरथ वाल्मीकि को मंगलवार रात को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाल किशोरसिंह भाटी ने बताया कि आरोपियों ने बहन से मिलने आने के शक में इतनी पिटाई की कि बेहोश हो गया। बेहोशी की हालत में बाइक पर बजरंग बाड़ी-टैगोर नगर इलाके में निकल रही जवाई नहर की ओर ले गए। वहां और मारपीट की। आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए शव को सुनसान जगह पर नहर के साइफन में पटक दिया।

भीलवाडा के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

भीलवाडा। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने सीए इंटरमीडिएट और सीए फाउंडेशन परीक्षाओं के परिणाम जारी कर दिए हैं।

इस अवसर पर भीलवाडा शाखा के अध्यक्ष सीए सोनेश काबरा ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष जताते हुए इसे उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प का नतीजा बताया एवं उनकी मेहनत और समर्पण को सराहा गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। एवं बताया कि इस वर्ष सीए इंटरमीडिएट का ऑल इंडिया परिणाम से ग्रुप 1 में 15.17 , ग्रुप 2 में 15.99 , और दोनों ग्रुप का परिणाम 5.66 रहा। शाखा सचिव सीए मुरली अटल ने बताया कि एवं बताया कि भीलवाडा शाखा का परीक्षा परिणाम के बारे में बताया कि भीलवाडा शाखा में सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में ग्रुप 1 में 88 परीक्षार्थियों में से 12 सफल हुए, जिससे परिणाम 13.63 रहा। इसी प्रकार, ग्रुप 2 में 94 परीक्षार्थियों में से 36 उत्तीर्ण हुए एवं परिणाम 38.29 प्रतिशत रहा, इसी के साथ बोथ ग्रुप में 117 में से 3 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की, जिसमें कुल परिणाम 2.56 रहा। सिकासा के अध्यक्ष, सीए पुनीत कुमार मेहता ने सीए फाउंडेशन के परिणाम को विस्तृत बताते हुए बताया कि सीए फाउंडेशन में आल इंडिया से 70437 विद्यार्थी ने भाग लिया एवं 13858 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए एवं सीए फाउंडेशन का परिणाम 19.67 प्रतिशत रहा। सीए फाउंडेशन में भीलवाडा शाखा से 340 विद्यार्थी ने भाग लिया एवं 80 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए एवं सीए फाउंडेशन का परिणाम 23.52 प्रतिशत रहा जो आल इंडिया परिणाम से बेहतर हैं। भीलवाडा के विद्यार्थी भव्या अग्रवाल ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में 319 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रेया सोमानी ने 315 अंक के साथ जिले में द्वितीय एवं विदिशा मालू 307 के साथ जिले में तृतीय रहे।

जैन का स्वागत किया

भीलवाडा। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण श्रमिक संघ भीलवाडा संबंधित भारतीय मजदूर संघ ने अधिशासी अभियंता अनिल कुमार जैन के अधीक्षण अभियंता राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम भीलवाडा के पद पर पदोन्नित होने पर स्वागत किया गया तथा कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिनिधिमंडल ने संपर्क किया।

महामंत्री अरूण कुमार छीपा ने बताया कि अधीक्षण अभियंता ने सभी कार्यकर्ता को आश्वासन दिया कि सभी के कार्य प्राथमिकता से तथा समय पर किए जाएंगे। इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह राठौड, महामंत्री अरुण कुमार छीपा इंजीनियर ओम सिंह पवार, मनीष गर्ग, रैना कंवर, विनोद कुमार वासवानी, राजकुमार सुमन, रेखा टेलर, गोपाल लाल टेलर, सुजीत कुमार राय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हादसे में तीन युवतियां सहित सात जने घायल

■ राजपुर रेलवे पुलिया पर हुआ हादसा

डूंगरपुर, (निसं)। उदयपुर मार्ग पर स्थित राजपुर रेलवे पुलिया के नजदीक देर रात दो बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में तीन युवतियां सहित सात लोग घायल हो गए हैं। जिसमें से दो युवकों की हालत गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

डूंगरपुर से उदयपुर रोड पर राजपुर रेलवे पुलिया से आगे जाते ही मंगलवार देर रात को 2 बाइक के बीच जोरदार भिडंत हो गई। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि दोनों बाइक के आगे के व्हील के टुकडे-टुकडे हो गए वहीं, दोनों बाइक पर बैठे 7 लोग घायल हो गए। इसमें एक बाइक पर 4 तो दूसरी बाइक पर 3 लोग बैठे हुए थे। घटना की सूचना पर लोगों की भीड जमा हो गई। घायलों के हाथ,पैर, सिर ओर शरीर के कई जगहों पर गंभीर चोटें लगी, जिससे वे लहूलुहान हो गए। 108 के ईएमटी ताराचंद भोई, सुनील पाटीदार, हरिराम ननोमा ओर सत्यनारायण लबाना ने घायलों को डूंगरपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। दुर्घटना में घायल विक्रम पुत्र गणपतलाल निवासी ददोडिया,अश्विन पुत्र मोहनलाल निवासी ददोडिया, महेश पुत्र नानजी निवासी ददोडिया, दूसरी बाइक पर सवार नवीन पुत्र रूपलाल निवासी मझौला,शिवानी पुत्री शंकर निवासी मझौला, मंजू पुत्री गंगाराम निवासी मझौला, प्रियंका पुत्री गंगाराम निवासी मझौला गंभीर घायल हो गए। घायलों को डूंगरपुर अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती करवाया। जहां दो घायलों के हालत गंभीर होने पर उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR

No. NIT/2024-25/19027-41 निविदा सूचना/2024-25 Date: 30.10.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है :

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
SITC of Internal Wiring for Teaching Block Transformer, DG Set, BBT, Cabling work at Medical Hospital,Chittorgarh. RRC2425WLOB00578	696.00 Lakh	ई-288/24-25
Construction of ITI Building at Ramsagada District Dungarpur. RRC2425WLOB00579	608.48 Lakh	अल्पकालीन ई-296/24-25
Construction of ITI Building at Harsoli District Alwar. RRC2425WLOB00585	587.18 Lakh	ई-297/24-25
Construction of ITI Building at Umrain District Alwar. RRC2425WLOB00597	595.08 Lakh	ई-302/24-25

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट: http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://roads.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED

Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
(Regd.Office: Vidyut Bhawan, Panchasheel Nagar, Ajmer-305004
Office of the Superintending Engineer (Project) Vidyut Bhawan, Panchasheel Nagar, Ajmer-305004
Website : https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl Email : xendsmavvnl@gmail.com

No. AVVNL/ ACE(Project)/SE (Solar)/XEn(RE DSM)/2024-25/RE DSM/F. KUSUM A/D.369 Date: 30.10.2024

ई- अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) सूचना

RESCO प्रणाली के माध्यम से ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के COD से 25 वर्षों के लिए रूप-रेखा, सर्वेक्षण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव के लिए पात्र बोलीदाताओं से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) में ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कुसुम योजना घटक A के तहत AVVNL में 11kV फीडरों से जुड़े कृषि उपभोक्ताओं के सौरकरण हेतु 11kV लाइन के माध्यम से 33/11kV सब-स्टेशनों और सौर ऊर्जा संयंत्रों के RMS को जोड़ा जाना है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक NIT No. AVVNL/ACE (Project)/SE(Solar)/XEN(RE-DSM)/ KUSUM-A/TN-DSM-15 के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

भविष्य में, किसी भी शुद्धिपत्र अथवा विस्तार की सुचना, केवल वेब साइट www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov पर प्रकाशित की जाएगी।

राज.संवाद/सी/24/7242 अधीक्षण अभियंता (सोलर)

यूनेस्को गरीब बच्चों के साथ मनायेगा दीपावली

भीलवाडा। स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान एवं जिला यूनेस्को एसोसिएशन द्वारा भारत के राष्ट्रीय पर्व दीपावली के अवसर पर यूनेस्को क्लब के सदस्य गरीब परिवार के बच्चों के साथ दीपावली समारोह मनायेंगे।

जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन मानसिंहका ने बताया कि स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान एवं जिला यूनेस्को एसोसिएशन द्वारा झुग्गी-झोपड़ियों एवं सडक किनारे रह रहे जरूरतमंद एवं गरीब परिवारों के बच्चों को नये वस्त्र व मिठाईयां बांट कर क्लब के सदस्य उनके साथ ही दो दिवसीय दीपावली समारोह मनायेंगे। इस कार्यक्रम में स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के स्टेट कॉर्डिनेटर गोपाल लाल माली भी विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। साथ ही क्लब के कई सदस्य एवं पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे।

सीकर में 25 लाख रुपये लूट के 5 आरोपी पकडे

सीकर। वैद्य की ढाणी रानौली निवासी से लूटे 25 लाख रुपये को बरामद कर तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। अजय कुमार ने बताया कि में सीकर फसल बेच कर वापस मोटर साइकिल से आ रहा था सीकर आ रहा था। रास्ते में सफेद रंग की बोलेरों में आए बदमाशों ने मैरे से रुपये लूट लिए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड

RIICO (राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाईट- www.riico.co.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यो/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन सीलबंद निविदाएं (लागत रूपये 2 लाख या उससे अधिक) निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं।

क्र सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रूपये में)
1.	इकाई प्रभारी, ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर	
1.1	औद्योगिक क्षेत्र हुक्कण के विकास कार्य एवं रखरखाव और मरम्मत का कार्य। UBN-RDC2425WLOB01232	818.84
1.2	औद्योगिक क्षेत्र ईपीआईपी सीतापुरा में ईपीआईपी गेट से पोद्दार सर्किल व टोंक रोड़ पर मीडियन में प्लांटेशन के रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01256	21.60
1.3	औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा तृतीय चरण में डोर टू डोर कचरा संग्रहण, आर.ओ.डब्ल्यू. एवं नालियों की सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01257	27.00
1.4	इकाई कार्यालय सीतापुरा के अन्तर्गत विभिन्न जगहों पर पेरापेट वॉल बनाने एवं टाईल, कर्ब स्टोन की आपूर्ति एवं लगाने का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01258	12.68
1.5	इकाई कार्यालय सीतापुरा के अंतर्गत वेन्यू रूट पर वेल्डेड जाली की आपूर्ति व मीडियन में मिट्टी उठाने एवं हाइड्रोलिक ब्रूमर से सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01259	10.33
2.	इकाई प्रभारी, जयपुर(दक्षिण)	
2.1	औद्योगिक क्षेत्र मालवीया में डोर टू डोर से घरेलू कचरे को इकट्ठा करना और आर.ओ.डब्ल्यू. की सफाई करवाने का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01250	4.95
2.2	औद्योगिक क्षेत्र मालवीया जयपुर में सड़कों की ऐज लाईन/सेंटर लाईन की मार्किंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01251	6.83
2.3	औद्योगिक क्षेत्र अपैरल पार्क, जयपुर में फायर स्टेशन के मरम्मत का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01252	5.21
3.	इकाई प्रभारी, जयपुर(ग्रामीण)	
3.1	उद्योग भवन, जयपुर में रीको विंग की तीसरी मंजिल की छत के स्लैब पर पुनर्वास का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01265	33.37
3.2	उद्योग भवन जयपुर में चारदीवारी के फुटपाथ के मरम्मत का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01267	9.32
4.	इकाई प्रभारी, जयपुर(उत्तर)	
4.1	औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा, जयपुर में डोर टू डोर कचरा/मलबा संग्रहण कर उसके निस्तारण एवं आरओडब्ल्यू की नियमित सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01266	74.40
4.2	औद्योगिक क्षेत्र विश्वकर्मा–विस्तार, जयपुर में डोर टू डोर कचरा/मलबा संग्रहण कर उसके निस्तारण एवं आरओडब्ल्यू की नियमित सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01268	23.82
4.3	औद्योगिक क्षेत्र कालाडेरा, जयपुर में डोर टू डोर कचरा/मलबा संग्रहण कर उसके निस्तारण एवं आरओडब्ल्यू की नियमित सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01269	6.84
4.4	औद्योगिक क्षेत्र झोटवाड़ा (हस्तांतरित), जयपुर में डोर टू डोर कचरा/मलबा संग्रहण कर उसके निस्तारण एवं आरओडब्ल्यू की नियमित सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01270	8.40
4.5	औद्योगिक क्षेत्र झोटवाड़ा विस्तार–प्रथम एवं द्वितीय चरण, जयपुर में डोर टू डोर कचरा/मलबा संग्रहण कर उसके निस्तारण एवं आरओडब्ल्यू की नियमित सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01271	6.84
4.6	औद्योगिक क्षेत्र कालाडेरा एवं विश्वकर्मा, जयपुर में पाईपलाईन की आपूर्ति एवं बिछाने का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01272	3.73
4.7	औद्योगिक क्षेत्र जैतपुरा, जयपुर में विभिन्न प्रकार की नालियों की सफाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01273	3.43
4.8	औद्योगिक क्षेत्र मण्डा–द्वितीय चरण, जयपुर में जलप्रदाय योजना के संचालन एवं संधारण का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01274	2.14
5.	इकाई प्रभारी, किशनगढ़	
5.1	औद्योगिक क्षेत्र खोड़ा एवं रघुनाथपुरा में दो वर्ष के लिए एलईडी स्ट्रीट लाईट मय सामान संचालन एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01264	9.01

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट www.riico.co.in व www.eproc.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन –0141–4593243

Raj.Samwad/C/24/7220

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला
भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, राजस्थान - 313001 फोन : 9828144314, 7976547277, 8875140747

आईपीएल फ्रैंचाइज़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में अगले सीज़न के लिए फिर से मुझे कप्तान नियुक्त किए जाने के लिए बातचीत की।
- विराट कोहली

विराट कोहली के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान के रूप में वापसी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हर्षित राणा

युवा गेंदबाज हर्षित राणा को भारत के लिए पदार्पण के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी तक इंतजार करना होगा। टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा है कि वे मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीसरे टेस्ट के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं करेंगे। 1 नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से ठीक पहले राणा को भारतीय टीम में शामिल किया गया था और इस बात पर काफी चर्चा हो रही थी कि वह भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल होंगे या नहीं।हर्षित ने आईपीएल 2024 में केकेआर के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

अत्राचली पीकेएल के इतिहास में 500 टैकल पॉइंट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी

हैदराबाद, 30 अक्टूबर (वार्ता) बंगाल वॉरियर्स के कप्तान फजल अत्राचली प्रो कबड्डी लीग के इतिहास में 500 टैकल पॉइंट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सुल्तान के नाम से मशहूर फजल ने मंगलवार को हैदराबाद के गाचीबोवली में जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में पीकेएल सीजन 11 में गत चैंपियन पुनेरी पल्टन के खिलाफ मैच में 500 के जादुई आंकड़े को छुआ। फजल बंगाल वॉरियर्स टीम के कप्तान हैं और इस सीजन में अब तक खेले गए चार मैचों में उन्होंने कुल 15 अंक बनाए हैं। कुल मिलाकर, फजल ने पीकेएल में 173 मैच खेले हैं और 509 अंक बनाए हैं। ईरानी दिग्गज, जिन्हें पीकेएल सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन में बंगाल वॉरियर्स ने खरीदा था, पीकेएल के इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं और इस सीजन में उन्होंने बंगाल वॉरियर्स का शानदार नेतृत्व किया है। सुल्तान ने डिफेंसिव यूनिट की कमान जोश के साथ संभाली है और इस सीजन में अब तक के सबसे शांत और सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। 32 वर्षीय खिलाड़ी पीकेएल में सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने दो बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। बेहद शानदार और गतिशील डिफेंडर ने अपने पहले साल में ही पीकेएल में चैंपियन का खिताब जीता था। फिर सीजन 2 में और फिर एक बार सीजन 4 में, और सीजन 5 में उपविजेता भी रहे।

भारतीय टीम की अगुआई को लेकर बेहद उत्साहित हूं: रॉबिन उथप्पा

हांगकांग, 30 अक्टूबर। एक नवंबर से शुरु होने वाले हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारतीय टीम की अगुआई करने जा रहे दाएं हाथ के बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि वह टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। उथप्पा ने कहा, मैं हांगकांग सिक्सेस 2024 का हिस्सा बनने को

मुंबई टेस्ट में पहले दिन से टर्न देखने को मिलेगा: 1 नवंबर से तीसरा मैच

मुंबई, 30 अक्टूबर। मुंबई टेस्ट में पहले दिन से स्पिनर्स का दबदबा देखने को मिलेगा। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए रैंक-टर्नर (पहले दिन से स्पिनर्स के लिए मददगार) पिच की मांग की है।

भारतीय टीम मैनेजमेंट आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहता है। भारतीय टीम ने पुणे टेस्ट के लिए भी स्पिन फ्रेंडली पिच बनवाई थी, लेकिन टीम इंडिया को 113 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। टीम इंडिया 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से पिछड़ रही है। यह रैंक टर्नर पिच होगी। टीम प्रबंधन ने ऐसी पिच तैयार करने का अनुरोध किया है, जो पहले दिन से ही स्पिनर्स की मदद कर सके। ऐसा लगता है कि टीम आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहती है। वानखेड़े की पिच पर बल्लेबाजी करना कठिन होगा। क्योंकि लाल मिट्टी से बनी इस पिच पर स्पिन और उछाल का मिश्रण देखने को मिलेगा। असामान्य उछाल बल्लेबाजों को परेशान कर सकता है। 29 अक्टूबर तक पिच में घास नहीं थी। यहां ग्राउंड स्टाफ नियमित रूप से स्प्रिंकलर से पानी छोड़ रहा है। साथ ही पिच को सुखाने के लिए खुला छोड़ा गया है। मुकाबले के पहले सेशन में स्पिनर्स को टर्न मिल सकता है। तेज गेंदबाजों को भी थोड़ा मूवमेंट मिलेगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में रबाडा नंबर-1 गेंदबाज बने

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। नई टेस्ट रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 860 रेटिंग के साथ जसप्रीत बुमराह को पीछे किया है। बुमराह दो पायदान फिसलकर 846 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बुमराह के अलावा टॉप-10 में मौजूद भारत के रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को भी 2-2 स्थान का नुकसान हुआ है। अश्विन चौथे और जडेजा आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। टीम इंडिया का अब केवल एक ही खिलाड़ी टॉप 10 में बचा है। विराट कोहली और ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ खराब परफॉर्मेंस की वजह से बाहर जाना पड़ा है। ऋषभ पंत 11वें और विराट कोहली 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 5 स्थान नीचे आ गए हैं। अब वे टॉप 10 से बाहर होकर सीधे नंबर 11 पर चले गए हैं। ये उनके लिए बड़ा झटका है। विराट कोहली को भी एक ही झटके में 6 स्थानों का नुकसान हुआ है। वे अब 688 की रेटिंग के साथ नंबर 14 पर चले गए हैं। उन्हें भी टॉप 10 से बाहर होना पड़ा है।

पाकिस्तानी लेफ्ट आर्म स्पिन बॉलर नोमान अली ने ताजा रैंकिंग में आठ स्थानों की छलांग लगाई है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में 9 विकेट लिए थे। जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। अब वे टॉप-10 में शामिल एकमात्र पाकिस्तानी गेंदबाज है। कागिसो रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। उन्हें 3 स्थान का फायदा हुआ है।

ईस्ट बंगाल ने बशुंधरा किंग्स को 4-0 से हराया

थिम्पू, 30 अक्टूबर। भारत के ईस्ट बंगाल फुटबॉल क्लब ने एएफसी चैलेंज लीग 2024-25 के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में बंगलादेश के क्लब बशुंधरा किंग्स को 4-0 से हराया। मंगलवार को भूटान के थिम्पू में चांगलिमथांग स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ईस्ट बंगाल एफसी की ओर से दिमित्रियोस डायमंटाकोस ने (पहले मिनट में), सौविक चक्रवर्ती ने (20वें मिनट), नंदकुमार सेकर ने (26वें मिनट) और अनवर अली ने (33वें मिनट) में गोल दागे। ईबीएफसी ने अपने पहले मैच में पारो एफसी के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था।

बांग्लादेश के चार विकेट झटक दक्षिण अफ्रीका ने मैच पर कसा शिकंजा

चटगांव, 30 अक्टूबर। टोनी डीजॉर्जी (177), ट्रिस्टन स्टब्स (106) और वियान मुल्डर (105) रन के शतकीय प्रहार से दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 575 के विशाल स्कोर पर पारी घोषित करने बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगलादेश के 38 रन पर चार विकेट झटकर मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है।

दिन के आखिरी सत्र में दक्षिण अफ्रीका के 575 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने अपना पहला विकेट पहले ही ओवर में 10 रन के स्कोर पर शादमान इस्लाम (शून्य) का विकेट गवां दिया। उसे कगिसो रबाड़ा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में रबाडा ने जाकिर हसन (दो) को पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने महमुदुल हसन जॉय (10) को मारक्रम के हाथों कैच आउट करा दिया। सातवें ओवर में केशव महाराज ने हसन महमूद (तीन) को बोल्ड आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय बंगलादेश ने चार विकेट पर 38 रन बना लिये है और मोमिनुल हक (नाबाद छह) और नजमुल शान्तो (नाबाद चार) रन बनाकर क्रीज पर थे। बंगलादेश अभी भी दक्षिण अफ्रीका से पहली पारी के आधार पर 537 रन पीछे है।

स्पिनर एजाज पटेल का है मुंबई से खास कनेक्शन

मुंबई, 30 अक्टूबर। मुंबई शहर एजाज पटेल के दिल में एक खास जगह रखता है, क्योंकि एजाज का जन्म यहीं हुआ था और आठ साल की उम्र में वे न्यूजीलैंड चले गए थे और कभी-कभार आते-जाते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सदस्य बुधवार की सुबह अभ्यास सत्र के लिएवानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरे। इस दौरान बाएं हाथ के स्पिनर एजाज पटेल पिच पर जाने वाले पहले कुछ लोगों में से थे और जिन्होंने पिच को बहुत करीब से देखा। बता दें कि वानखेड़े स्टेडियम में ही पटेल क्रिकेट के इतिहास में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे क्रिकेटर बने थे और इंग्लैंड के दिग्गज जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले क्रिकेटर बने थे। दिसंबर 2021 में 10/119 का वह प्रदर्शन अब तक किसी टेस्ट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भावुक होते हुए कहा, हां , निश्चित रूप से भावनात्मक है। मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि मुंबई में वापस आना हमेशा काफी खास होता है। यह एक ऐसी जगह है जिसे घर भी कहा जाता है। इसलिए यहां फिर से खेलने का अवसर मिलना काफी खास है। ईमानदारी से कहूं तो मेरे 10 विकेट के बाद मुझे यकीन नहीं था कि मुझे अपने पूरे करियर में फिर से यहां खेलने का मौका मिलेगा।

कांस्य पदक विजेता अमित से सांसद राव राजेंद्र सिंह ने मुलाकात की

जयपुर, 30 अक्टूबर। जॉर्जिया यूरोप में इंटरनेशनल वूशु टूर्नामेंट में भारतीय वूशु टीम के खिलाड़ी अमित कटारिया ने 90 वर्ग में कांस्य पदक जीता राजस्थान वूशु संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने बताया कि आज जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद राव राजेंद्र सिंह ने आज अमित कटारिया को बधाई और आशीर्वाद प्रदान किया और आगे मेहनत करके गोल्ड मेडल लाने की शुभकामनाएं दीं तथा वूशु के बारी में जानकारी ली और अन्य खेलो पर भी चर्चा की। इस अवसर पर बिलंदपुर शाहपुरा के सरपंच सौर खेजडोली भाजपा मंडल अध्यक्ष अर्जुनलाल यादव राजस्थान युनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्य बाबूलाल यादव प्रोफेसर मखन लाल यादव , वॉलीबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लवमीत कटारिया, कैलाश मीणा मौजूद रहे।

राजधानी

जयपुर में हाईटेक सिटी के लिए कंसलटिंग फर्म ने दिया प्रजंटेशन

यू.डी.एच. प्रमुख सचिव वैभव गालरिया और जयपुर विकास आयुक्त आनंदी समेत वरिष्ठ अफसरों ने देखी इस योजना की प्लानिंग

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार की बजट घोषणा के मुताबिक राजधानी जयपुर में प्रस्तावित 'हाईटेक सिटी' के लिए बुधवार को वोस्टन कंसलटिंग ग्रुप (वी.सी.जी.) ने नगरीय विकास विभाग (यू.डी.एच.) के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया और जयपुर विकास आयुक्त आनंदी के समक्ष प्रजंटेशन दिया। बैठक में निदेशक अभियांत्रिकी द्वितीय अजय गर्ग के साथ-साथ वित्त व आयोजना निदेशक के अलावा कई वरिष्ठ अफसर भी मौजूद थे।

- **हाईटेक सिटी के लिए जमीन चयन के लिए फागी, चाकसू और आगरा रोड पर सर्वेक्षण करवा रहा है नगरीय विकास विभाग व जे.डी.ए. प्रशासन : गालरिया**

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया और जेडीए कमिशनर आनन्दी ने जयपुर में प्रस्तावित हाईटैक सिटी के प्लान को प्रजेंटेशन के जरिये समझा।

वी.सी.जी. के प्रोजेक्ट लीडर श्रेयर रमन ने हाईटेक सिटी कैसे विकसित की जा सकती है एवं इससे क्या परिलाभ होंगे, के बारे में पॉवर पोईन्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। रमन ने हाईटेक सिटी से संबंधित प्रमुख बिंदुओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें कनेक्टिविटी, मिक्स यूज जोनिंग, सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी यूटिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर इत्यादि के बारे में बताया गया। इसके अतिरिक्त हाईटेक सिटी, किस मॉडल में विकसित करनी है, डवलपमेंट मॉडल एवं क्रॉस डिपार्टमेंटल मेकेनिज्म इत्यादि के बारे में चर्चा हुई।

प्रमुख शासन सचिव-यूडीएच ने बताया कि नगरीय विकास विभाग एवं जेडीए द्वारा हाईटेक सिटी के लिए भूमि चयन के लिए फागी, चाकसू, आगरा रोड इत्यादि स्थानों पर सर्वेक्षण करवाया जा रहा है।

खाद्य विभाग ने प्रदेशभर में 803 फर्मों पर शिकंजा कसा

जयपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि विभाग द्वारा 21 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 तक चलाये गए कंज्यूमर केयर अभियान के तहत कुल 803 फर्मों पर विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की गई।

जिनमे डिब्बा बंद वस्तुएं नियम के तहत 85 तथा 451 फर्मों पर सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नही पाये जाने पर विभाग द्वारा गठित टीमों ने फर्मों के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस जारी कर 12,35,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि कंज्यूमर केयर अभियान 21 से 30 अक्टूबर तक नियमित रूप से चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिये प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में सूचित किये जाने तथा उपभोक्ता शिक्षा का प्रसार करना है।

किसी भी प्रकार की सेवा एवं वस्तुएं जो राशि देकर प्राप्त की गई है, उन सेवाओं और वस्तुओं की मानक, मात्रा एवं सही माप तौल उपभोक्ता का विधिक अधिकार है इन अधिकारों के उल्लंघन पर उपभोक्ता, उपभोक्ता मामले विभाग को शिकायत कर सकता है।

अस्पताल स्थापित करना नीतिगत निर्णय, हाईकोर्ट ने दखल से किया इनकार

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक जिले की देवली नगर पालिका में अस्पताल आवंटन के लिए भूमि चिन्हित करने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि अस्पताल के लिए जगह चिन्हित करना सरकार का नीतिगत निर्णय है और इस भूमि का पालिका अध्यक्ष की पत्नी की जमीन से सटे होने मात्र से दुर्भावना का कोई आधार नहीं बनता है।

- **टोंक जिले की देवली नगर पालिका में अस्पताल आवंटन के लिए भूमि चिन्हित करने के खिलाफ दायर याचिका को अदाल ने खारिज किया**

इसके अलावा अध्यक्ष की पत्नी को याचिका में पक्षकार बनाए बिना ही उन पर आरोप लगाया गया है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाता है।

जस्टिस अवनीश झिंगन की एकलपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को बताया कि देवली नगर पालिका ने 1.24 एकड में सरकारी अस्पताल बनाने का प्रस्ताव पास कर इसे स्वीकृति के लिए राज्य सरकार के पास भेजा गया। मामले में निजी खातेदार ने भी साठ फीट रोड निर्माण के लिए भूमि समर्पित करने के लिए अपनी सहमति दे दी।

वहीं गत 11 सितंबर को चिकित्सा विभाग ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। याचिका में कहा गया कि अस्पताल के लिए चिन्हित की गई इस जमीन से सटकर नगर पालिका अध्यक्ष की पत्नी की जमीन है। ऐसे में उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए इस जमीन पर अस्पताल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा निजी खातेदार ने भी अपनी जमीन की कीमत बढाने के लिए रोड के लिए लिए भूमि समर्पित की है। याचिका में कहा गया कि अस्पताल स्थापित करने के लिए इस स्थान से अधिक अन्य उपयुक्त स्थान उपलब्ध हैं, लेकिन पालिका अध्यक्ष की पत्नी को लाभ पहुंचाने के लिए इस भूमि को अस्पताल के लिए चिन्हित किया गया है।

जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे नीतिगत निर्णय बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया है।

चातुर्मास कलश वितरण समारोह आयोजित

जयपुर। आचार्य विद्यासागर के शिष्य अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार को मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर चातुर्मास कलश वितरण समारोह आयोजित हुआ। जिसमें सम्बन्धित श्रावक को चातुर्मास में उसके द्वारा स्थापित कलश प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रात: 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें पारस पुराण का वाचन किया गया । पारस पुराण में 16 कारण भावनाओं में संवेग भावना और त्याग भावना को बताते हुए अपना नया चिंतन दिया। मुनि श्री ने कहा कि धर्म और धर्म के फल से प्रीति करना और संसार से डरना संवेग है। शक्ति अनुसार धर्म के फल को धर्म में लगाने की भावना करना यह त्याग भावना है। उन्होंने कहा कि मुनिजन जो भी प्राप्त करते हैं, वह धर्म से मिला है, ऐसा सोचते हैं और उसे उसी में ही लगा देते हैं। जबकि श्रावक इसे कर्मों का फल मानता है। उसे धर्म का फल नहीं मानता। इसलिए उसमें संवेग और त्याग की भावना नहीं आ पाती है। इससे पूर्व धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेट एवं पाद पक्षालन का सौभाग्य अष्ट प्रतिमाधारी डी सी जैन परिवार एवं अर्हं चातुर्मास समिति के संरक्षक शीतल कटारिया ने प्राप्त किया। इस मौके पर आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति मीरा मार्ग के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रकाशोत्सव के पावन पर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों की ओर से शुभकामनाएं देते हुए देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

कैलादेवी से लौट रहे आगरा के एक दम्पत्ति की हत्या

सुबह 8 बजे पति-पत्नी का शव कार में लहुलूहान हालत में मिला

करौली, 30 अक्टूबर (नि.स.)। करौली जिले में कैलामाता के दर्शन कर लौट रहे पति-पत्नी की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी। बुधवार प्रातः 8:00 बजे ग्रामीणों को दोनों के शव कार में लहूलुहान हालत में मिले। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी

मामला मासलपुर थाना इलाके के भोजपुर गांव का है। कार में मिली आई.डी. से दोनों की पहचान उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के सांथा किरावली निवासी विकास (22) पुत्र जितेंद्र और दीक्षा (18) पुत्री सियाराम के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव करौली जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाए और परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार जनों के सुपुर्द कर दिये।

बताया जा रहा है कि मृतक विकास और दीक्षा कि 9 महीने पहले शादी हुई थी। करौली पुलिस

■ विकास और दीक्षा की शादी 9 माह पूर्व ही हुई थी। वे कैलादेवी दर्शन कर लौट रहे थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान तथा कार में कारतूस के खोखे मिले।

उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि बुधवार प्रातः करीब 8:00 बजे भोजपुर के पास एक कार में पुरुष और महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची मासलपुर थाना पुलिस ने देखा कि दोनों की गोली मारकर हत्या की गई थी। शरीर पर गोलियों के निशान थे। कार और घटना स्थल पर कारतूस के खोखे पड़े मिले हैं। कार में मिली आईडी से पता चला कि विकास और दीक्षा पति-पत्नी थे।

हादसे की सूचना पर करौली पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एफ.एस.एल. टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए हैं। कार को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने बताया, विकास के दो गोली लगीं जबकि, दीक्षा को एक गोली लगी थी। पुलिस घटना को लेकर सभी एंगल से जांच कर रही है। मृतका के पिता ने बताया कि कार में कुछ लोग साथ थे।

विकास और दीक्षा मंगलवार दोपहर 1:00 बजे कैलादेवी के लिए निकले थे।

दीक्षा के पिता सियाराम ने बताया कि मंगलवार शाम चार बजे दीक्षा से बात हुई थी, तब सब ठीक था। वे कैलादेवी से दर्शन कर लौट रहे थे। उनकी शादी करीब 9 महीने पहले हुई थी। सियाराम ने बताया कि कुछ और लोगों के भी विकास और दीक्षा के साथ कार में आने की सूचना थी।

इज़रायल ने हिजबुल्लाह के नये चीफ को धमकी दी

तेल अवीव, 30 अक्टूबर। इज़राइल ने हिजबुल्लाह के नए चीफ नईम कासिम को चेतावनी दी है। इज़राइल का कहना है कि हिजबुल्लाह का नया कमांडर ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। अगर कासिम भी अपने पुराने लीडरों के रास्ते पर चला, तो वह हिजबुल्लाह के इतिहास में सबसे कम दिन चीफ रहने वाला व्यक्ति होगा।

इज़राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कासिम की नियुक्त पर चेतावनी देते हुए सोशल मीडिया प्लैटफोर्म एक्स पर

■ इज़रायल के रक्षा मंत्री ने कहा कि नया चीफ कासिम सबसे कम दिन चीफ रहेगा।

कासिम की फोटो पोस्ट के साथ लिखा, "अस्थायी नियुक्ति। ज्यादा समय तक नहीं चलेगी।"

इज़राइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद मंगलवार को हिजबुल्लाह ने अपना नया चीफ चुना था। कासिम हिजबुल्लाह में इससे पहले नंबर 2 की पोजिशन पर था। नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। यू.ए.ई. के मीडिया हाउस इरेम न्यूज के मुताबिक वह अभी ईरान में है।

कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इज़राइल के हमले के डर से कासिम को ईरान बुलाया था। कासिम संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहा है और इज़राइल के साथ संघर्ष में अक्सर प्रवक्ता की भूमिका निभाता रहा है। इज़राइल का कहना है कि लेबनान में शांति केवल तभी ही आएगी, जब हिजबुल्लाह की सैन्य शक्ति खत्म कर दी जाए।

इज़राइल ने हिजबुल्लाह को खत्म करने के अभियान में सफलता भी मिली है। संगठन की टॉप 8 लीडरों में से इज़राइल 5 का खात्मा कर चुका है। चीफ बनने की रेस में कासिम से पहले हाशिम सैफिद्दीन का नाम आगे चल रहा था। हाशिम नसरल्लाह का ममेरा भाई था।

अन्तिम समय में महाराष्ट्र में प्रत्याशी बदल रही हैं भाजपा व कांग्रेस

भाजपा ने 8 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे, कांग्रेस ने पांच के

मुंबई, 30 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा बीत जाने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। भाजपा ने आठ मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है, जबकि कांग्रेस ने पांच को टिकट नहीं दिया है। इसके अलावा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दो गुट, एक अजित पवार के नेतृत्व में और दूसरा उनके चाचा शरद पवार के नेतृत्व में, ने दो मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं देने का फैसला किया है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने हाल ही में विद्रोह के दौरान शिंदे का समर्थन करने वाले अपने लगभग सभी विधायकों को रखने का फैसला किया है, लेकिन एक को छोड़कर।

सत्तारूढ़ महागठबंधन (महायुति) और विपक्ष (महाराष्ट्र विकास अघाड़ी) के उम्मीदवारों की सही संख्या स्पष्ट नहीं है, क्योंकि कुछ दलों ने कुछ क्षेत्रों में कई

■ महाराष्ट्र में दोनों गठबंधनों के उम्मीदवारों की सही संख्या स्पष्ट नहीं हो पा रही है, क्योंकि, कुछ क्षेत्रों में कुछ दलों ने कई उम्मीदवारों के नामांकन दिये हैं।

उम्मीदवारों के लिए नामांकन दाखिल किए हैं। भाजपा ने मुंबई के बोरीवली से विधायक सुनील राणे की जगह संजय उपाध्याय को टिकट दिया है।

अन्य मौजूदा उम्मीदवारों में अरनी से संदीप धुर्वे और उमरखेड़ से नामदेव सासने शामिल हैं, जिनकी जगह क्रमशः राजू तोड़सम और किसन वानखेड़े को टिकट दिया जाएगा। भाजपा ने आर्वी से दादा केंचे और नागपुर सेंट्रल से विकास कुंभारे की जगह नए उम्मीदवार सुमित वानखेड़े और प्रवीण दटके को टिकट दिया है। वानखेड़े पहले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के सहायक के तौर पर काम कर चुके हैं और दटके भाजपा के विधान परिषद (एम.एल.सी.) के मौजूदा सदस्य हैं। चिंचवाड़ से अश्विनी जगताप की जगह उनके साले शंकर जगताप को टिकट दिया गया है।

पार्टी ने जेल में बंद विधायक गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा गायकवाड़ को कल्याण ईस्ट से टिकट दिया है। वाशिम से चार बार के विजेता लखन मलिक की जगह श्याम खोड़े को टिकट दिया गया है। कांग्रेस में पांच मौजूदा विधायकों को बदला गया है। हेमंत ओगले श्रीरामपुर से चुनाव लड़ेंगे, वे लहू कनाडे की जगह लेंगे। पूर्व जिला परिषद अधिकारी राजकुमार पुरम सहसराम कोरोटे की जगह आमगांव से चुनाव लड़ेंगे।

शिरीष चौधरी फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि उनके पुत्र धनंजय रावेर से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने पार्टी के प्रति उनकी वफादारी को लेकर चिंताओं के कारण क्रमशः अमरावती और इगतपुरी सीटों से सुलभा खोडके और हीरामन खोसकर को भी हटा दिया। दोनों उम्मीदवारों ने अब अजित पवार के नेतृत्व वाली रांकापा से नामांकन हासिल कर लिया है। सुनील देशमुख अमरावती में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि लैकीभाऊ जाधव इगतपुरी से चुनाव लड़ेंगे।

रांकापा ने शरद पवार सरकार में पूर्व गृह मंत्री और कटोल से विधायक अनिल देशमुख की जगह उनके पुत्र सलिल देशमुख को मैदान में उतारा है। माधा निर्वाचन क्षेत्र में, रांकापा ने बबनराव शिंदे के बजाय अभिजीत पाटिल को चुना है। अजीत पवार के नेतृत्व वाली रांकापा ने अर्जुनी मोरगांव से विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे और आष्टी से बालासाहेब अजबे को भी टिकट देने से इन्कार कर दिया है, उनकी जगह क्रमशः पूर्व भाजपा मंत्री राजकुमार बडोले और पूर्व सांसद सुरेश धास को टिकट दिया है।

शिवसेना (यू.बी.टी.) ने पालघर से केवल एक मौजूदा विधायक श्रीनिवास वंगा को टिकट दिया है और उनकी जगह पूर्व लोकसभा सदस्य राजेंद्र गावित को मैदान में उतारा है। राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

कमला हैरिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि प्रमुख मुद्दों पर ट्रम्प को हैरिस पर बढ़त प्राप्त है। अर्थशास्त्र व रोजगार पर अप्रोच के बारे में पूछे जाने पर 47 प्रतिशत ने ट्रम्प को व 37 प्रतिशत ने हैरिस के प्रति रुझान दर्शाया था। इम्मिग्रेशन पर भी 48 प्रतिशत लोगों ने ट्रम्प को पसंद किया और 33 प्रतिशत ने हैरिस को। हैरिस का फोकस 6 जनवरी को हुए कैपिटल रॉयट के ट्रम्प की भूमिका पर है उन्होंने अपने प्रचार के सि मुद्दे पर ज्यादा जोर दिया वहीं ट्रम्प ने हैरिस के विचारों को अतिवादी ओर समाजवादी करार दिया। यह उल्लेखनीय नैशनल पोल वोटर की भावना को दर्शाते है वहीं इलैक्ट्रोरल कॉलेज के राज्यवार नतीजे विजेता को निर्धारित करते हैं। दोनों नेताओं के बीच कुछ प्रमुख राज्यों में कांटे की टक्कर है जो निर्णयक सिद्ध होगी। यह ट्रम्प की 2016 की जीत जैसी होगी जब वे लोकप्रिय वॉटस में हारने के बाद इलैक्टोरल कॉलेज में जीत गए थे।

लद्दाख में सेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत और चीन की सेनाएं शुक्रवार 25 अक्टूबर से पूर्वी लद्दाख सीमा से पीछे हटनी शुरू हुई थीं। डेमचोक और देपसांग पॉइंट में दोनों सेनाओं ने अपने अस्थायी टेंट और शेड हटा लिए। बख्तरबंद गाड़ियां और मिलिट्री डिवाइसेस भी पीछे ले जाए गए। पहले दिन40 से 50 प्रतिशत डिसएंगेजमैंट हुआ। इसके बाद मंगलवार तक 90 प्रतिशत डिसएंगेजमैंट पूरा हो चुका था। बुधवार को देपसांग और डेमचोक पर डिसएंगेजमैंट का काम पूरा हो गया।

राजनैतिक अनिश्चितता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हासिल हो गया था। यह स्थिति बदल गई और इस वर्ष अक्टूबर में इनफ्लेशन रेट 3 प्रतिशत हो गई।

इसका स्वागत किया जाना चाहिए था। लेकिन वास्तव में इसका विरोध हुआ लोगों ने कीमतें बढ़ने का विरोध किया क्योंकि उन्होंने कभी महंगाई नहीं देखी थी।

दूसरे जापान में वेतन की दरें स्थिर रही उसमें वर्षों से वृद्धि नहीं हुई थी। निवर्तमान शिगेरू सरकार ने वेतन वृद्धि का समर्थन किया कंपनियों से वेतन बढ़ाने को कहा। यह भी जापान की अर्थव्यवस्था में बदलाव का एक अंग था।

जापान ने आजीवन रोजगार की संस्कृति देखी हैं। लोग जब कोई काम या नौकरी करते थे तो आजीवन वही काम करते थे। पर हाल ही में यह चलन बदल रहा है। युवा वर्ग नौकरी भी बदल रहे हैं और ज्यादा वेतन के लिए सौदेबाजी भी कर रहे हैं।

शिगेरू सरकार ने भी इस विचार का समर्थन किया उन्होंने वेतन बढ़ाने और रोजगार प्रदाताओं में टैलेंट के लिए प्रतिस्पर्धा का समर्थन किया इसके पीछे आईडिया यह था कि वेतन बढ़ने और मूल्य वृद्धि से उपभोक्ता बचत करने की बजाय अपनी आय खर्च करना शुरू करेंगे। बचत की बजाय खर्च करने से ग्रोथ और विकास में वृद्धि होती है।

जापानी अर्थव्यवस्था की अंतिम खासियत रही बढ़ता सार्वजनिक कर्ज और उस पर बढ़ता ब्याज। जापान का सार्वजनिक कर्ज देश की जीडीपी से भी काफी अधिक है।

सरकार इस बात को जानती है, और इससे निपटने पर विचार कर रही है। एक तरीका है टैक्स बढ़ाया जाए। वस्तुओं की खपत पर टैक्स लगाने के साथ-साथ बिक्री का भी प्रस्ताव किया गया। लेकिन इन कदमों का भारी विरोध किया गया। वस्तुतः जापानी संघीय सरकार मुश्किल में फंस गई है। इन आर्थिक बुराइयों का प्रतिकार करने के उसके प्रयासों से नाराजगी पैदा हो रही है।

इनके साथ ही, निजी लाभ के लिए राजनैतिक भ्रष्टाचार भी उजागर हुआ। असल में, ऐसा हुआ था। जब कीमतें बढ़ रही थीं तथा सार्वजनिक वित्त ऋण के बोझ से चरमरा रहा था, राजनेता जनता की कीमत पर अपने घर भर रहे थे। और पैसा बटोर रहे थे।

सत्तारूढ़ दल ने राजनैतिक फंडिंग बढ़ा दी, लेकिन यह चीज सामने आई कि इन फंड्स का कुछ हिस्सा कानून-निर्माताओं की तिजोरियों में पहुंच रहा था। इन घोर अनियमितताओं की जानकारी मिलने पर, सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ जनता में जबरदस्त प्रतिक्रिया पैदा हुई।

प्रधानमंत्री की टालमटोल से भी अनिश्चितता की भावना जनता तक पहुंची। यहां तक कि, कुछ सामान्य तथा निर्दोष लगने वाले मुद्दे भी लोगों में चिढ़ पैदा करने लगे, जबकि सामान्य परिस्थिति में ऐसा नहीं होता। प्रधानमंत्री ने इस बिन्दु को लेकर भी चर्चा छेड़ दी कि महिलाओं को शादी के बाद भी, अपना शादी से पहले वाला सरनेम ही रखने की अनुमति होनी चाहिए। लेकिन उन्हें अपने इस वादे से पीछे हटना पड़ा तथा कहना पड़ा कि इस मुद्दे पर और विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

सुरक्षा मामलों में भी, प्रधानमंत्री इतने ही अनिश्चित किन्तु दृढ़ बने रहे। रक्षा मंत्री के रूप में, शिगेरू ने मजबूत तथा दृढ़ जापान का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने यहां तक कहा था कि पश्चिमी गठबंधन "नाटो" के समकक्ष एशियाई गठबंधन बनाया जायेगा।

लेकिन उनके इस विचार को अमेरिका का समर्थन नहीं मिला तथा इसलिए, यह विचार एकाएक छोड़ दिया गया। जापानी सुरक्षा बलों तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के विचार पर भी आगे वांछित ध्यान नहीं दिया गया, फॉलो अप नहीं हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली दिवाली पर अयोध्या जगमगाया

अयोध्या, 30 अक्टूबर। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या की दिवाली इस बार बेहद विशेष है क्योंकि राम मंदिर बनने और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद ये पहली दिवाली है। अयोध्या दुल्हन की तरह सज चुकी है। चप्पा-चप्पा जगमगा रहा है। बुधवार को राम मंदिर और सरयू तट पर दीपोत्सव मनाया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहला दीया जलाकर इसकी शुरुआत की। सरयू नदी के 55 घाटों पर25 लाख से ज्यादा दीये जलाए गए। कुल 28 लाख दीयों का इंतजाम किया गया था। ताकि दीपोत्सव के लिए दीयों की कमी न हो जाए।

अयोध्या में आज एक साथ दो रिकॉर्ड बने। पहला रिकॉर्ड सबसे ज्यादा दीये जलाने का बना। दीपोत्सव में कुल 25 लाख 12 हजार 585 दीये जलाए गए। पिछले साल 22 लाख दीये जलाए गए थे। इसे गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

कैनडा ने अचानक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की खूब कोशिशें करलीं तथा इस संबंध में भारत को विभिन्न प्रलोभन भी दिये गये। लेकिन इन तमाम कोशिशों के बावजूद, भारत, रूस के साथ दोस्ती जारी रखने की अपनी नीति पर कायम रहा है। भारत ने अभी पिछले सप्ताह ही ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर रूसी राष्ट्रपति के साथ विचार-विमर्श एवं दोस्ताना बातचीत की थी।

भारत ने चीन के साथ हिमालयी सीमाओं पर अपने मतभेदों को लेकर, चीन के साथ एक प्रकार का समझौता किया है। हालांकि, समझौते का जो रूप सामने आया, उससे सारे मुद्दों का समापन नहीं हो रहा, फिर भी दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हो गये हैं कि सीमा पर आमने-सामने खड़ी दोनों देशों की सेनाओं हटा लेने के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाये। यह एक नया घटनाक्रम है, जो भारत को रूस-चीन ग्रुप के साथ खड़ा करता है तथा रूस-चीन ग्रुप पश्चिमी प्रभुत्व दुनिया पर पश्चिमी दबदबे के जारी रहने के लिए सबसे बड़ा खतरा एवं संकट है।

पृष्ठभूमि में कुछ भी रही हो, लेकिन कैनडा के ये भड़काने वाले बयान भारत और पश्चिमी गठबंधन के बीच के रिश्तों को खराब कर रहे हैं। इन घटनाक्रमों के बाद, पश्चिमी ताकतों, खासतौर पर अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों के बारे सजग रहना होगा।

'पराली जलाने से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर.एस.) के डेटा के अनुसार, 2018 से लेकर मध्य अक्टूबर, 2024 तक 51 प्रतिशत कम हो गया है।

– इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटिअरॉलजी (आई.आई.टी.एम.) के अनुसार इस साल 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच, स्टबल बर्निंग (पराली जलाना) की दिल्ली के पी.एम. 2.5 स्तर में भूमिका केवल .92 प्रतिशत ही पाई गई है।

इसके बजाय, दिल्ली का आधे से ज्यादा पी.एम.2.5 प्रदूषण वाहनों के कारण हुआ है। वायु-प्रदूषण भारत की अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है।

'कैनडा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनती है कि इससे अन्य अपराधों का होना आसान हो जायेगा, जिन अपराधों में इस अपराधी तथा उसके सहयोगियों द्वारा की जाने वाली लूट-खसोट भी शामिल है। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिज टूडो द्वारा सिक्ख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की लिप्तता के बारे में आरोप लगाये जाने के बाद, इस बिन्दु को लेकर भारत-कैनडा सम्बन्धों में कड़वाहट तो आ गई थी, लेकिन यह पहला अवसर है, जब कैनडा ने भारतीय गृह मंत्री की लिप्तता को लेकर, उन पर सीधा आरोप लगाया है। "रॉयल कैनेडियन माउन्टेड पुलिस" जो कैनडा में भारतीय कार्यवाहियों की जाँच-पड़ताल कर रही है, ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अमित शाह पर आरोप लगाया है। जब कैनड़ा सरकार ने डिप्लोमैटिक वेबर के तहत, भारत के छः राजनयिकों, जिनमें पूर्व हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा भी शामिल थे, को निज्जर की हत्या में "पर्सन्स ऑफ इन्ट्रेस्ट" मानते हुये भारत वापस भेज दिया था, उसके बाद दोनों देशों के बीच के कूटनीतिक गतिरोध काफी बढ़ गया है।

25.75 लाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठकर जटवाडा से मोहनपुरा जा रहा था। इस दौरान पंचमुखी मंदिर के पास से कार चालक ने तेज गति और लापरवाही से कार को चलाते हुए पीछे से मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी, जिससे उसके सिर और अन्य जगहों पर गंभीर चोटें आईं। इस कारण वह चलने-फिरने और वजनी काम करने में असमर्थ हो गया। इसलिए उसे 25.75 लाख रुपए का क्लेम दिलाया जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908